Page-01_Layout 1 3/23/2025 2:08 AM Page 1

■ वर्ष-17 ■ अंक-62 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य : 1 रुपए

नई दिल्ली, रविवार, 23 मार्च, 2025

newdibyabharat@gmail.com

खीर सेरेमनी के साथ सोमवार को शुरू होगा दिल्ली का बजट... पृष्ठ-2

दिव्य भारत

| राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक |

जल शक्ति मंत्री पाटिल ने देशवासियों को दी विश्व जल दिवस... पृष्ठ-3

नागपुर हिंसा के आरोपियों से नुकसान भरपाई वसूली जाएगी : देवेन्द्र फडणवीस

रमाकान्त पाण्डेय

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को नागपुर में कहा कि यहां हुई हिंसा के आरोपितों नुकसान की भरपाई वसूली जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंसा मामले में अब तक 104 आरोपितों को नामजद किया गया है, इनमें से 92 को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके बाद इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कठोर से कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को नागपुर में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की बैठक की। बैठक के बाद पत्रकारों को बताया कि इस घटना के चार से पांच घंटे के भीतर दंगों पर नियंत्रण पा लिया। इसके लिए आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल किया गया। इसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। इसके बाद पुलिस ने दंगे के सीसीटीवी फुटेज और लोगों द्वारा अपने मोबाइल फोन पर बनाए गए वीडियो के आधार पर आरोपितों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की। अब तक 104 आरोपितों की पहचान की जा चुकी है। इनमें से 92 को गिरफ्तार कर लिया गया है। चूंकि 12 लोग नाबालिग हैं, इसलिए उनके खिलाफ विधि संघर्ष अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। इस मामले में अभी भी पुलिस कुछ और लोगों को गिरफ्तार करने वाली है। पुलिस हिंसा करने वाले या उनकी मदद करने वाले किसी भी व्यक्ति को छोड़ेगी नहीं, सभी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया ट्रैकिंग के जरिए हिंसा भडकाने वालों को भी सह-आरोपित बनाया जाएगा। अब तक कुल 68 पोस्ट हटा दी गई हैं और कार्रवाई की गई है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि भड़काऊ पॉडकास्ट बनाने और अफवाह फैलाने वाले सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि जिन लोगों को नुकसान हुआ है और जिनकी गाडियां खराब हो गई हैं, उन्हें अगले तीन-चार दिनों में मुआवजा मिल जाएगा। नागपुर में कर्फ्यू के कारण लगाए गए प्रतिबंधों से सार्वजनिक जीवन और व्यापार प्रभावित हुआ है। अब जबकि माहौल शांत है, स्थिति को सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी तक यह कहना संभव नहीं है कि नागपुर हिंसा की जड़ें बांग्लादेश से जुड़ी थीं या नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस घटना में किसी भी महिला पुलिसकर्मी के साथ छेड़छाड़ नहीं हुई है, हां महिला पुलिसकर्मी पर हमला किया गया था। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि इस घटना में पुलिस बल पर हमला हुआ है और पुलिस पर हमला करने वालों से सरकार कड़ाई से निपटेगी।

भारत से एजेंटों के जरिये परिजनों को रुपये भेजते थे पकड़े गए अवैध बांग्लादेशी

नई दिल्ली। दिल्ली में अवैध रूप से रहने वाले बंग्लादेशी कूड़ा, साफ-सफाई, फूड डिलीवरी व अन्य छोटे-मोटे काम करते थे। दिल्ली से यूपीआई ऐप से बॉर्डर एजेंटों को रुपये भेजकर हवाला के तरीके से रुपये बांग्लादेश निवासी अपने परिजनों तक पहुंचाते थे। दक्षिण जिले के डीसीपी अंकित चौहान ने आज यहां पत्रकार वार्ता में बताया कि आरोपित पकड़े गये आरोपितों में से भोगल, निजामुद्दीन निवासी मोहम्मद जेवेल इस्लाम व उसका बड़ा भाई मोहम्मद आलमगीर बांग्लादेश से दिल्ली आने के बाद यहां कबाड़ का काम करता था। इस दौरान उसने एक भारतीय महिला से शादी कर ली और उसके दो बच्चे भी हैं। दोनों बच्चे दिल्ली के स्कूलों में पढ़ाई कर रहे हैं। इसके अलावा तीन आरोपित कोटला मुबारकपुर में रहने वाले लतीफ खान, मोहम्मद मिजानुर रहमान व रबिउल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व जल दिवस पर किया पानी के संरक्षण का आह्वान

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज विश्व जल दिवस पर कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी का संरक्षण बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि जल सभ्यताओं की जीवनरेखा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर जल संरक्षण का आह्वान करते हुए लिखा, " विश्व जल दिवस पर हम जल संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। जल सभ्यताओं की जीवनरेखा रहा है और इसलिए भविष्य की पीढ़ियों के लिए इसे संरक्षित करना अधिक महत्वपूर्ण है।"

उल्लेखनीय है कि इस बार 2025के विश्व जल दिवस की थीम-ग्लेशियर संरक्षण है। यह स्थापित अवधारणा है कि ग्लेशियर (बर्फ के पहाड़) दुनिया भर में साफ पानी को बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। इसलिए इनका संरक्षण जरूरी है। ग्लेशियर हमें पीने का पानी, खेती और नदियों के लिए पानी देते हैं। दुर्भाग्य से जलवायु परिवर्तन की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। अगर इन्हें बचाया नहीं गया तो आने वाले दिनों में पानी की बड़ी समस्या हो सकती है। विश्व जल दिवस मनाने का विचार 1992 में संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में आयोजित रियो डी जनेरियो पृथ्वी सम्मेलन में सामने आया था। सम्मेलन में जल संरक्षण के प्रति वैश्विक जागरुकता बढ़ाने की आवश्यकता महसूस की गई। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इसी साल 22 दिसंबर को एक प्रस्ताव पारित किया। इसमें हर वर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। अगले साल पहली बार विश्व जल दिवस मनाया गया था।

धरती का करीब 71 फीसदा हिस्सा पानी से ढका हुआ है। मगर इसका 97.5 प्रतिशत हिस्सा खारा पानी है। यह पानी समुद्रों में है। इसका पीने या रोजमर्रा के काम के लिए इस्तेमाल नहीं हो सकता। तथ्य यह है कि इनसान के उपयोग के लिए सिर्फ करीब 2.5 फीसदी साफ पानी ही बचता है। अफसोस यह है कि मानवजनित गलतियों (प्रदूषण, जल की बबार्दी और जलवायु परिवर्तन) के कारण यह लगातार घट रहा है।

हिन्दी के साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल को मिलेगा ज्ञानपीठ पुरस्कार

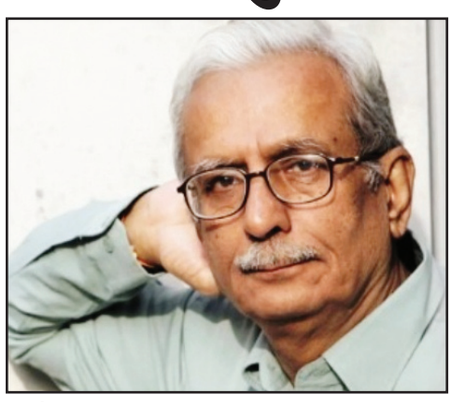

नई दिल्ली, (हि.स.)। छत्तीसगढ़ के प्रख्यात हिन्दी साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल को भारतीय साहित्य के सर्वोच्च सम्मान ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। शुक्ल छत्तीसगढ़ के पहले लेखक हैं जिन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

भारतीय ज्ञानपीठ के महाप्रबंधक आरएन तिवारी ने शनिवार को एक बयान में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह पुरस्कार भारतीय भाषाओं में उत्कृष्ट साहित्य रचने वाले रचनाकारों को प्रदान किया जाता है। इस सम्मान के अंतर्गत 11 लाख रुपये की राशि, वाग्देवी की कांस्य प्रतिमा और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

उन्होंने बताया कि सुप्रसिद्ध कथाकार और ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रतिभा राय की अध्यक्षता में नई दिल्ली में हुई प्रवर परिषद की बैठक में निर्णय लिया गया कि वर्ष 2024 के लिए 59वां ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रतिष्ठित हिंदी साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल को प्रदान किया जाएगा। बैठक में चयन समिति के अन्य सदस्य माधव कौशिक, दामोदर मावजी, प्रभा वर्मा, डॉ अनामिका, डॉ. ए. कृष्णा राव, प्रफ्फुल शिलेदार, डॉ जानकी प्रसाद शर्मा और ज्ञानपीठ के निदेशक मधुसूदन आनन्द शामिल थे। यह सम्मान उन्हें हिंदी साहित्य में उनके अद्वितीय योगदान, सृजनात्मकता और विशिष्ट लेखन शैली के लिए प्रदान किया जा रहा है। यह हिन्दी के 12वें साहित्यकार है जिन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया जा रहा है।

विनोद कुमार शुक्ल (जन्म 01 जनवरी 1937) हिंदी शाहित्य के एक प्रतिष्ठित लेखक, कवि और उपन्यासकार हैं। उनका लेखन सरल भाषा, गहरी संवेदनशीलता और अद्वितीय शैली के लिए जाना जाता है। वे मुख्य रूप से आधुनिक हिंदी साहित्य में प्रयोगधमी लेखन के लिए प्रसिद्ध हैं। विनोद कुमार शुक्ल की पहली कविता पुस्तिका वर्ष 1971 में लगभग जयहिंद' शीर्षक से प्रकाशित हुई थी। उनके प्रमुख उपन्यासों में नौकर की कमीज, दीवार में एक खिड़की रहती थी, और खिलेगा तो देखेंगे शामिल है। उनकी कविताएं और कहानियां आम जीवन की बारीकियों को सहज भाषा में प्रस्तुत करती हैं। उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार और अन्य प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया है। उनका लेखन आम आदमी की भावनाओं, उसकी रोजमर्रा की जिंदगी और समाज की जटिलताओं को खूबसूरती से व्यक्त करता है।

हिंदी साहित्य प्रेमियों और सपूर्ण साहित्य जगत के लिए यह हर्ष और गर्व का विषय है कि विनोद कुमार शुक्ल को यह सम्मान प्रदान किया जा रहा है। यह पुरस्कार उनकी साहित्यिक साधना और सृजनशीलता का सम्मान है जिससे हिंदी साहित्य को नई ऊंचाइयां मिली है।

गोवा शिपयार्ड ने लांच किया फ्रिगेट 'तवस्या'

पणजी/नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत के प्रमुख रक्षा शिपयार्डों में से एक गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) ने शनिवार को प्रोजेक्ट 1135.6 (यार्ड 1259) के दूसरे फ्रिगेट 'तवस्या' के सफल लॉन्च के साथ एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। यह लॉन्च युद्धपोत निर्माण में भारत की आत्मनिर्भरता में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है, जो रक्षा निर्माण में देश के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को मजबूत करता है।

इस जहाज को नीता सेठ द्वारा रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ की उपस्थिति में औपचारिक रूप से लॉन्च किया गया, जिन्होंने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए रक्षा राज्यमंत्री ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित करने वाली भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद केवल आठ महीनों के भीतर दो जटिल हथियार-गहन फ्रिगेट लॉन्च करने में जीएसएल की असाधारण उपलब्धि की सराहना की। नौसेना की बढ़ती आत्मनिर्भरता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यह लॉन्च भारत के नौसेना इतिहास में एक निर्णायक क्षण है, जो हमारी तकनीकी क्षमताओं और आत्मनिर्भरता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ता है। ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम, टारपीडो लॉन्चर, सोनार और सहायक नियंत्रण प्रणाली जैसे महत्वपूर्ण घटकों का सफल स्थानीयकरण भारत के जहाज निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के बढ़ते लचीलेपन को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि तवस्या का लॉन्च न केवल भारतीय नौसेना के लिए एक कदम आगे है बल्कि भारत की रणनीतिक रक्षा महत्वाकांक्षाओं के लिए एक बड़ी छलांग है।

3800 टन से अधिक विस्थापन के साथ 'तवस्या' को आक्रामक और रक्षात्मक संचालन की विविध रेंज को निष्पादित करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो हिंद महासागर क्षेत्र में रणनीतिक प्रभुत्व सुनिश्चित करता है। मंत्री ने कहा कि उन्नत स्टील्थ सुविधाओं, उच्च सहनशक्ति क्षमताओं और अगली पीढ़ी की लड़ाकू प्रणालियों से लैस यह जहाज भारतीय नौसेना की परिचालन शक्ति को महत्वपूर्ण बढ़ावा देता है। उन्होंने रक्षा निर्यात में जीएसएल की अग्रणी भूमिका और 2029 तक रक्षा निर्यात में 50,000 करोड़ रुपये हासिल करने के रक्षा मंत्रालय के दृष्टिकोण का हवाला देते हुए युद्धपोत निर्यात में वैश्विक नेता के रूप में उभरने की भारत की महत्वाकांक्षा की पुष्टि की।

इस अवसर पर जीएसएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक ब्रजेश कुमार उपाध्याय ने राष्ट्र के लिए एक रणनीतिक रक्षा परिसंपत्ति के रूप में शिपयार्ड के उल्लेखनीय विकास पर प्रकाश डाला। यह इन जटिल प्लेटफार्मों का निर्माण करने वाला एक भारतीय शिपयार्ड द्वारा पहला प्रयास है, जिन्हें पहले पूरी तरह से निर्मित स्थिति में आयात किया गया था। 56% से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ विदेशों में निर्मित समान जहाजों में 25% से कहीं अधिक, दुर्जेय बहु-भूमिका वाले स्टील्थ फ्रिगेट को नौसेना युद्ध के पूरे स्पेक्ट्रम- वायु, सतह और उप-सतह - में संचालित करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो बेजोड़ परिचालन क्षमता सुनिश्चित करता है।

इस जहाज का नाम महाभारत के महान योद्धा भीम की गदा के नाम पर 'तवस्या' रखा गया है, जो भारतीय नौसेना की अदम्य भावना और बढ़ती ताकत का प्रतिनिधित्व करता है। रक्षा मंत्रालय और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के बीच 25 जनवरी 2019 को दो प्रोजेक्ट 1135.6 फॉलो-ऑन फ्रिगेट बनाने के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे। पहला जहाज 'त्रिपुट' 23 जुलाई 2024 को लॉन्च किया गया। इन जहाजों को सतह, उप-सतह और हवाई युद्ध संचालन के लिए डिजाइन किया गया है। 'त्रिपुट' और 'तवस्या' लगभग 125 मीटर लंबे हैं। इसकी अधिकतम गति 28 समुद्री मील है। ये जहाज स्टील्थ सुविधाओं, उन्नत हथियार और सेंसर एवं प्लेटफॉर्म प्रबंधन प्रणालियों से लैस हैं।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर और द्वितीय तल के चित्र जारी

अयोध्या, (हि.स.)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने आज श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर और द्वितीय तल के कई नए चित्र जारी किए हैं। मंदिर निर्माण का कार्य तेजी से पूर्ण किया जा रही है।

मंदिर ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का शिखर और द्वितीय तल में निर्माण कार्य निर्धारित गति से चल रहा है। प्रत्येक कार्य के लिए योजना बनाकर समय निश्चित कर दिया गया है। निर्माण इकाई गुणवत्तापूर्ण कार्य के साथ तय समय को ध्यान में रखकर काम कर रही है। ट्रस्ट का यही प्रयास है कि मंदिर निर्माण का शेष बचा चार प्रतिशत कार्य हर हाल में जून माह तक पूरा कर लिया जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की बैठक में भी ऐसी प्रतिबद्धता व्यक्त की गई थी।

113 साल का हुआ बिहार, राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री ने दीं शुभकामनाएं

आलोक पाण्डेय

पटना। बिहार का आज यानि शनिवार को स्थापना दिवस है। बिहार आज 113 साल का हो गया। बिहार दिवस को लेकर केन्द्र से लेकर राज्य ने मंत्रियों ने शुभकामनाएं दी हैं। पटना के गांधी मैदान में बिहार दिवस को लेकर भव्य आयोजन भी किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, अमित शाह और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित तमाम नेताओं ने शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बिहार के लोगों को राज्य स्थापना दिवस पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि वे अपनी प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत के बल पर विकसित भारत के निर्माण में योगदान देते रहेंगे। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि बिहार दिवस पर राज्य के सभी निवासियों को मैं हार्दिक बधाई देती हूं। बिहार की धरती प्राचीन काल से ही ज्ञान और विकास का केंद्र रही है। मेरा विश्वास है कि बिहार के निवासी अपनी प्रतिभा, दृढ़ संकल्प तथा परिश्रम के बल पर विकसित बिहार और विकसित भारत के निर्माण में अपना भरपूर योगदान देते रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वीरों और महान विभूतियों की पावन धरती बिहार के अपने सभी भाई-बहनों को बिहार दिवस की ढेरों शुभकामनाएं। भारतीय इतिहास को गौरवान्वित करने वाला हमारा यह प्रदेश आज अपनी विकास यात्रा के जिस महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है, उसमें यहां के परिश्रमी और प्रतिभाशाली बिहारवासियों की अहम भागीदारी है। हमारी संस्कृति और परंपरा के केंद्र-बिंदु रहे अपने इस राज्य के चौतरफा विकास के लिए हम कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सभी बिहारवासियों को 'बिहार दिवस' की हार्दिक शुभकामनाएँ। ज्ञान, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत की भूमि बिहार ने हमेशा देश को नेतृत्व और नई ऊर्जा प्रदान की है। इतिहास के गौरवशाली अध्यायों से लेकर आधुनिक भारत के निर्माण तक, बिहार ने हर क्षेत्र में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में ठऊअ सरकार बिहार को प्रगति, समृद्धि और आत्मनिर्भरता की नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है।

Page-02_Layout 1 3/23/2025 12:35 AM Page 1

विधानसभा अध्यक्ष ने 14 विधायकों को एमसीडी में नामित किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में प्रतिनिधित्व करने के लिए 14 विधायकों को नामित किया है। यह नामांकन नगर निगम अधिनियम, 1957 की धारा 3(3)(बी)(ई) के तहत किया गया है।

इस अवसर पर विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि नामित विधायकों की भूमिका एमसीडी को बजट निर्माण, नागरिक प्रशासन और शहरी शासन में सहयोग देने की होगी। ये विधायक स्वच्छता, बुनियादी ढांचे के विकास और अन्य नगर निगम से जुड़ी चुनौतियों के समाधान में अहम भूमिका निभाएंगे, जिससे दिल्लीवासियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाया जा सके।

ये नामित विधायक अनिल कुमार शर्मा (आरके पुरम), चंदन कुमार चौधरी (संगम विहार), जितेंद्र महाजन (रोहतास नगर), करनैल सिंह बस्ती (शकूर बस्ती), मनोज कुमार शौकीन (नांगलोई जाट), नीलम पहलवान (नजफगढ़), प्रद्युम्न सिंह राजपूत (द्वारका), प्रवेश रत्न पटेल (पटेल नगर), राज कुमार भाटिया (आदर्श नगर), राम सिंह नेताजी (बदरपुर), रविकांत त्रिलोकपुरी (त्रिलोकपुरी), संजय गोयल (शाहदरा), सुरेंद्र कुमार (गोकलपुर) और तरविंदर सिंह मरवाह (जंगपुरा) हैं।

गुप्ता ने कहा कि ये विधायक दिल्ली विधानसभा और एमसीडी के बीच समन्वय स्थापित कर नीति निर्माण और नागरिक परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहयोग करेंगे। इनकी विशेषज्ञता नगर निगम सेवाओं को मजबूत करने, शहरी विकास को गति देने और कचरा प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण तथा सार्वजनिक स्वच्छता जैसी चुनौतियों के समाधान में मददगार होगी। यह पहल दिल्ली विधानसभा की नागरिक प्रशासन को मजबूत करने, जवाबदेही सुनिश्चित करने और दिल्ली के सतत शहरी विकास को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने दो बदमाशों को दबोचा

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस ने शुक्रवार रात डीडीए ग्राउंड, निरंकारी भवन के पास मुठभेड़ के बाद दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान विशाल उर्फ बादल और कन्हैया उर्फ अमित के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से चोरी की स्कूटी व एक व दो पिस्तौल बरामद की है। शुरूआती जांच में पता चला है कि विशाल उर्फ बादल अशोक विहार में हत्या व डकैती के मामले में वांछित चल रहा था जबकि कन्हैया उर्फ अमित समयपुर बादली इलाके में हुई डकैती के मामले में वांछित था। उत्तर पश्चिम जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने शनिवार को बताया कि बीती देर रात पुलिस को सूचना मिली थी कि दो बदमाश निरंकारी भवन के पास किसी से मिलने के लिए आने वाले हैं। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने इलाके में जाल बिछाया। देर रात स्कूटी पर पुलिस को दो संदिग्ध युवक स्कूटी से आते दिखाई दिए। पुलिस ने दोनों को रुकने का इशारा किया तो उन्होंने ने पुलिस टीम पर गोली चला दी। जवाब में पुलिस ने भी की। पुलिस की एक गोली विशाल उर्फ बादल के पैर में लगी, जिसके बाद पुलिस ने दोनों बदमाशों को धर दबोचा।

दिल्ली सचिवालय में संवाददाताओं को संबोधित करते दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, कैबिनेट मंत्री आशीष सूद और मनजिंदर सिंह सिरसा ।

खीर सेरेमनी के साथ सोमवार को शुरू होगा दिल्ली का बजट सत्र : मुख्यमंत्री

- **डबल इंजन सरकार दिल्ली के विकास को नई गति देगी**
- **दस हजार से ज्यादा सुझावों ने विकसित दिल्ली बजट 2025 को और सशक्त बनाया**
- **बजट में दिल्ली के आम नागरिक को प्राथमिकता दी जाएगी**

नई दिल्ली, (हि.स.)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सोमवार को 'खीर सेरेमनी' के साथ दिल्ली विधानसभा में बजट सत्र की शुरूआत होगी। यहां बजट सत्र 24 से 28 मार्च तक जारी रहेगा और इसके विस्तार की संभावना है।

बजट सत्र दिल्ली का विकास और खीर की मिठास के साथ शुरू होगा। सोमवार को विधानसभा परिसर में विकसित दिल्ली बजट संवाद से जुड़े लोगों को आमंत्रित किया जाएगा और खीर सेरेमनी के साथ उनका मुंह मीठा करके बजट सत्र की शुरूआत की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित दिल्ली' विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। 27 साल बाद दिल्ली की सत्ता में आई इस भाजपा सरकार का पहला बजट इसी सोच को आगे बढ़ाएगा। डबल इंजन सरकार दिल्ली के विकास को नई गति देगी। दिल्ली को विश्वस्तरीय राजधानी बनाना हमारा उद्देश्य है। हमारी सरकार ने 'विकसित दिल्ली संकल्प पत्र' में महिलाओं, गरीबों, छात्रों, युवाओं और श्रमिकों के जीवन स्तर को सुधारने का वादा किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली की भाजपा सरकार की शुरूआत से ही मुख्य उद्देश्य दिल्ली को एक विकसित शहर बनाने का है। हमने जो पहल की है, उसका उद्देश्य महिलाओं, गरीबों और दिल्ली के सामान्य नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाना है। हमने दिल्ली बजट पर सुझाव प्राप्त करने के लिए 3 मार्च को एक ईमेल आईडी और व्हाट्सएप नंबर घोषित किए थे। उस पर अब तक हमें ईमेल के माध्यम से 3,303 सुझाव और व्हाट्सएप के माध्यम से 6,982 सुझाव प्राप्त हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि विकसित दिल्ली बजट के लिए 10 हजार से ऊपर सुझाव और अपेक्षाएं वाट्सएप और ईमेल के द्वारा दिल्लीवासियों से प्राप्त हुए है। विकसित दिल्ली बजट के लिए महिलाओं, शिक्षाविदों, व्यापारियों, औद्योगिक संगठनों, किसानों, विधायकों, सांसदों, युवाओं, डॉक्टर, सीए, नगर निगम पार्षद एवं कर्मचारी, झुग्गी निवासियों और इन्फ्लुएंसर्स आदि के साथ संवाद किया गया। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर दिल्ली के नागरिकों की सक्रिय भागीदारी और उनके द्वारा भेजे गए बहुमूल्य सुझावों के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह बजट दिल्लीवासियों का बजट होगा। जनता ने अपने सुझावों और विचारों से यह स्पष्ट कर दिया है कि वे दिल्ली को एक विश्वस्तरीय राजधानी बनाने के लिए पूरी तरह से सरकार के साथ है।

इन सुझावों में महिलाओ का आर्थिक विकास, यमुना की सफाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और रोजगार आदि विषय प्रमुख रहे। विकसित दिल्ली बजट पर जनसंवाद का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि दिल्ली का कोई भी वर्ग सरकार की योजनाओ से अछूता न रहे। सरकार ने तकनीकी और संवाद के माध्यम से जनता से जुड़ने का प्रयास किया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इतने बड़े पैमाने पर दिल्लीवासियों से मिले सुझावों के लिए सरकार उनका धन्यवाद करती है। यह साबित करता है कि यह बजट वास्तव में जनता का बजट होगा। सरकार ने ईमेल, वाट्सएप और संवाद के माध्यम से जनता से जुड़ने का प्रयास किया है और हमें इस प्रक्रिया में जनता की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। विकसित दिल्ली बजट में दिल्लीवासियों से प्राप्त हुए सुझावों को प्राथमिकता दी जाएगी और इसका प्रारूप दिल्लीवासियों की जरूरतों और आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। इस बजट में दिल्ली के आम नागरिक को प्राथमिकता दी जाएगी। इसमें विशेष रूप से महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण, बिजली और पानी की सुचारू आपूर्ति, बरसात में जल भराव की समस्या का निदान, वायु प्रदूषण पर नियंत्रण, यमुना की सफाई, शिक्षा के विस्तार, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं, बुनियादी ढांचे के विकास और रोजगार के अवसरों को प्रमुखता से शामिल किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्लीवासियों ने हमें जो सुझाव और समस्याएं बताई हैं, उस पर अमल करना और उन्हें हल करना हमारी प्राथमिकता है। हर सुझाव हमारे लिए अमूल्य है। हमारा उद्देश्य है कि यह बजट दिल्ली को स्वच्छ, समृद्ध और विश्वस्तरीय राजधानी बनाने के हमारे लक्ष्य को और मजबूत करे।

आज का राशिफल

मेष राशि-यात्रा भय, कष्ट, व्यवसाय में बाधा, पारिवारिक समस्या, उलझन भरी रहेगी।

वृष राशि-राजभय, रोग स्वजन सुख, शिक्षा व लेखन कार्य में सफलता तथा प्रगति अवश्य होगी।

मिथुन राशि-वाहन भय, यात्रा कष्ट, हानि तथा अशांति का वातावरण बना ही रहेगा, समय का ध्यान रखें।

कर्क राशि-सफलता, उन्नति, शुभ कार्य, विवाद, राजकार्य मामले, मुकदमे में प्रगति, जीत होगी, ध्यान दें।

सिंह राशि-शरीर कष्ट, कार्य व्यय, कार्य में सफलता, आर्थिक सुधार होने से कार्य बन जायेंगे।

कन्या राशि-खर्च, विवाद, स्त्री कष्ट, विद्या लाभ, धीरे-धीरे कार्यों में सुधार होता जाएगा।

तुला राशि-यात्रा से हर्ष, राज्य लाभ, शरीर कष्ट, खर्च की यात्रा बने, यात्रा में खर्च होगा।

वृश्चिक राशि-कार्य वृत्ति में लाभ, यात्रा-सम्पत्ति लाभ, व्यापारिक गति में सुधार अवश्य होगा।

धनु राशि-अल्प लाभ, चोट-अग्नि, शरीर भय, मानसिक बेचैनी, परेशानी अवश्य ही बनेगी ध्यान दें।

मकर राशि-शत्रु से हानि, कार्य व्यय, शारीरिक सुख होगा, कभी-कभी कुछ कष्ट अवश्य ही होगा।

कुंभ राशि-सुख, व्यय, संतान सुख, कार्य में सफलता, उत्साह की वृद्धि होगी, ध्यान अवश्य रखें।

मीन राशि-पदोन्नति, राजभय, न्याय लाभ, हानि, अधिकारियों से मन-मुटाव अवश्य होगा।

-अम्बुजा तिवारी

दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे 18 बांग्लादेशी गिरफ्तार

नई दिल्ली, (हि.स.)। राजधानी में दक्षिण दिल्ली जिला पुलिस ने यहां अवैध रूप से रह रहे 18 बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 23 मतदाता पहचान पत्र, 19 पैन कार्ड , 17 आधार कार्ड, 1 सीपीयू., 11 जन्म प्रमाण पत्र और 6 खाली मतदाता पहचान पत्र बरामद हुए हैं।

यहां पुलिस मुख्यालय में आज एक प्रेस वार्ता में डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि पकड़े गए इन 18 बांग्लादेशियों में 6 को एफआरआरओ के माध्यम से बांग्लादेश भेज दिया गया है। आठ बांग्लादेशी पुलिस की गिरफ्त में हैं जबकि चार से पूछताछ चल रही है। उनसे पूछताछ में कुछ अन्य खुलासे संभव हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मोहम्मद ज्वेल इस्लाम, मोहम्मद आलमगीर, मोहम्मद लतीफ खान, मोहम्मद नदीम शेख, मोहम्मद मिजानुर रहमान, रबीउल पुत्र जहांगीर हुसैन, मोहम्मद रेजाउल और कमरुज्जमां के रूप में हुई है।

डीसीपी के अनुसार बांग्लादेशी नागरिकों को शरण देने, उनके पहचान संबंधी फर्जी दस्तावेज तैयार करने और हवाला के जरिए रुपये बांग्लादेश भेजने के आरोप में 8 भारतीय नागरिकों को भी गिरफ्तार किया गया है। इनकी पहचान निजामुद्दीन निवासी मोहम्मद मोइनुद्दीन, निजामुद्दीन बस्ती निवासी मोहम्मद शाहीन, पुलपहलादपुर निवासी जुल्फिकार अंसारी, जावेद, फरमान खान, मनवर हुसैन, निमाई कर्माकर और गौरांग दत्ता के रूप में हुई है।

निजामुद्दीन बस्ती निवासी मनवर हुसैन दरगाह हजरत निजामुद्दीन में काम करता है। वह अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों से नकद रुपये एकत्रित कर बांग्लादेश में उनके परिवार व रिश्तेदारों के पास भेजने का काम करता था। इसी तरह पश्चिम बंगाल निवासी निमाई कर्माकर एक लाइसेंसी विदेशी मुद्रा एजेंसी आपरेट करता है। वह बांग्लादेशियों के रुपये उनके परिवार के पास भेजता था। पश्चिम बंगाल का रहने वाला गौरंगा दत्ता भी लाइसेंस प्राप्त विदेशी मुद्रा एजेंट है। वह भी रुपये बांग्लादेश भेजने का काम करता था।

आईपी यूनिवर्सिटी ने शुरू किया नया प्रोग्राम

नई दिल्ली, (हि.स.)। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ (आईपी) यूनिवर्सिटी ने नए सत्र से एक नया प्रोग्राम- पीजी डिप्लोमा इन बायोइन्फार्मेटिक्स शुरू करने की घोषणा की है। इस प्रोग्राम में दाखिले के लिए 11 अप्रैल तक ऑफलाइन आवेदन किया जा सकता है।

यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. कमल पाठक के अनुसार, कई विदेशी यूनिवर्सिटी में यह प्रोग्राम पहले से चल रहा है और आज भी उतना ही प्रासंगिक बना हुआ है। अपने देश में भी इस प्रोग्राम को लेकर छात्रों की डिमांड के मद्देनजर इसे शुरू किया जा रहा है। यह प्रोग्राम यूनिवर्सिटी के द्वारका कैम्पस स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन फार्मास्यूटिकल साइन्स (सीईपीएस) में उपलब्ध है। इस एक वर्षीय प्रोग्राम में कुल 20 सीटें उपलब्ध हैं। इसमें दाखिले के लिए ऑफलाइन आवेदन पत्र यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आवेदन पत्र के साथ यूनिवर्सिटी के कुलसचिव के पक्ष में निर्गत 2,500 रुपये का बैंक ड्राफ़्ट विश्वविद्यालय सुविधा केंद्र में 11 अप्रैल 3 बजे शाम तक जमा कराना है। इस प्रोग्राम में बीसीए, एमबीबीएस, बीएससी, बीटेक (बायोटेक) आदि कर चुके छात्र आवेदन कर सकते हैं।

सूडोकु नवताल- 7378

सरल

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7377 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

दैनिक पंचांग

23 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

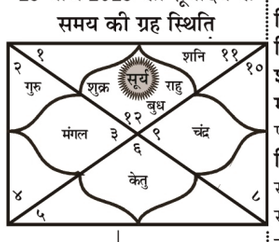

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	07.10 बजे से
चंद्र	धनु में	वृष	08.50 बजे से
मंगल	मिथुन में	मिथुन	10.48 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	13.02 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	15.18 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	17.30 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	19.41 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.55 ब.से.
केतु	कन्या में	धनु	00.11 बजे से
राहुकाल	4.30 से 6.00 बजे तक	मकर	02.16 बजे से
		कुंभ	04.03 बजे से
		मीन	05.36 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 82 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2081
शक संवत् 1946
मास चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि नवमी 05.39 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाषाढ़ा 00.18 बजे रात्र को समाप्त। **योग** वरीयान 17.59 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 17.37 बजे तदनन्तर गर 05.39 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 23.0 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 01° 02'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872292
जूलियन दिन 2460757.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रमजान **तारीख** 22
विशेष शहीद दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56	से 07.23	बजे तक	शुभ	05.36	से 07.09	बजे तक
चर	07.23	से 08.51	बजे तक	अमृत	07.09	से 08.41	बजे तक
लाभ	08.51	से 10.18	बजे तक	चर	08.41	से 10.14	बजे तक
अमृत	10.18	से 11.46	बजे तक	रोग	10.14	से 11.46	बजे तक
काल	11.46	से 01.14	बजे तक	काल	11.46	से 01.19	बजे तक
शुभ	01.14	से 02.41	बजे तक	लाभ	01.19	से 02.51	बजे तक
रोग	02.41	से 04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51	से 04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09	से 05.36	बजे तक	शुभ	04.24	से 05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

दिल्ली भाजपा मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जयसवाल, भाजपा राष्ट्रीय मीडिया सह प्रमुख डॉ. संजय मयूख।

शब्द पहेली - 8440

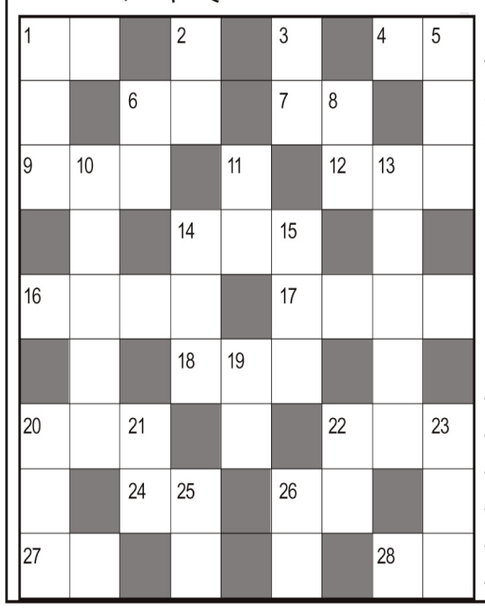

बाएँ से दाएँ

1. उचित, गलत का विलोम-2
4. अधिकार-2
6. परछाई-2
7. सम्मान, प्रसिद्धि-2
9. उल्टी, कै, वमन-3
12. रंग (अंग्रेजी-3)
14. चंचल, फुर्तीला-3
16. भयभीत होना-4
17. फुर्तीलापन-4
18. बसंत काल-3
20. भ्रम, वहम-3
22. आश्रय, शरण-3
24. राजनीतिक पार्टी-2
26. शारीरिक ऊंचाई-2
27. गन्ना-2
28. शाखा, टहनी-2

ऊपर से नीचे

1. नमस्ते, आदाब-3
2. देह, बदन, तन-2
3. शराब, मदिरा-2
5. डोली उठानेवाले-3
6. पत्नी की छोटी बहन -2
8. वहम, संदेह-2
10. जरुरतमंद-5
11. नाग, सर्प-2
13. आनंदित होना -5
14. भारत से निकलने वाली नदी जो पाकिस्तान में खत्म होती है-3
15. ढीला, सुस्त-3
19. नुकसान, घाटा-2
20. सद्कार्य-3
21. नशा, सरुर, खुमार-2
22. ओहदा -2
23. भवन, कोठी-3
25. क्षण, पल-2
26. कलिका, फूल खिलने से पहले की स्थिति-2

शब्द पहेली -8439 का हल

	क	हा	नी		प	ती	ला
मा	ला		र		र		वा	दा
म			व	र	दा	न		ला
ला	य	क		न		म	न	न
		र	मी		रॉ	की		
सू	र	त		आ		न	श्न	र
री		ब	ह	का	ना			की
ला	ख		टा		ह		र	ब
	र	वा	ना		क	ल	म	

Jagrutidaur.com, Bangalore

Page-03_Layout 1 3/23/2025 1:32 AM Page 1

परिसीमन में लोकसभा सीटें घटी तो विचारों को व्यक्त करने की क्षमता होगी कम : स्टालिन

चेन्नई, (हि.स.)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि जनसंख्या आधारित निर्वाचन क्षेत्र के परिसीमन को स्वीकार नहीं किया जा सकता। यहां हर राज्य ने प्रभावी जनसंख्या नियंत्रण के माध्यम से महत्वपूर्ण प्रगति दिखाई है। यह कार्रवाई ऐसे राज्यों के लिए सजा होगी। प्रतिनिधियों की संख्या में कमी से हमारे विचारों को व्यक्त करने की क्षमता कम हो जाती है। साथ ही हमारे राज्यों को आवश्यक धनराशि प्राप्त करने में संघर्ष करना पड़ेगा। वह परिसीमन को लेकर शनिवार को आयोजित संयुक्त समिति की बैठक में बोल रहे थे।

जनसंख्या के आधार पर लोकसभा सीटों के परिसीमन का विरोध करने के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के नेतृत्व में तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में एक संयुक्त समिति की बैठक हुई। इसमें कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, ओडिशा के पूर्व मंत्री संजय कुमार दास और अन्य उपस्थित थे।

बैठक में मुख्यमंत्री स्टालिन ने पुनर्गठन के खिलाफ संयुक्त समिति की बैठक में कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भारत के सभी वर्गों ने भाग लिया था। उनके संघर्ष के माध्यम से ही देश को आजादी प्राप्त हुई। इस बात को समझते हुए, भारतीय संविधान का मसौदा तैयार करने वाले बुद्धिजीवियों ने भारत को एक संघीय संघ का रूप दिया। यद्यपि इस संघीय प्रणाली का विभिन्न समयों पर परीक्षण किया गया है, लेकिन लोकतांत्रिक संगठनों और आंदोलनों ने इसका विरोध किया है। अब ऐसे परीक्षण का खतरा आ गया है। उन्होंने कहा कि हम सभी इसी बात को ध्यान में रखकर यहां एकत्र हुए हैं। मेरे लिए यह दिन भारतीय संघ को संरक्षित रखने के इतिहास में एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिन के रूप में दर्ज होगा। भविष्य की जनगणना के आधार पर किए जाने वाले जनसंख्या-आधारित निर्वाचन क्षेत्र पुनर्गठन का हमारे जैसे राज्यों पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा। हमारे जैसे राज्य, जिन्होंने विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं के माध्यम से अपनी जनसंख्या को नियंत्रित किया है। लेकिन इसके आधार पर लोकसभा की सीटें नहीं खोने देंगे। स्टालिन ने कहा कि हमारे लिए कानून हमारी सहमति के बिना बनाये जाते हैं। हमारे लोगों को प्रभावित करने वाले निर्णय उन लोगों द्वारा लिए जाते हैं जो हमें नहीं जानते। महिलाओं को सशक्तीकरण में असफलताओं का सामना करना पड़ता है, विद्यार्थी महत्वपूर्ण अवसरों से वंचित रह जाते हैं तथा किसान बिना किसी सहायता के पीछे छूट जाते हैं। हमारी संस्कृति, पहचान और प्रगति खतरे में है। उन्होंने कहा कि यदि जनसंख्या के आधार पर संसदीय सीटों का पुनर्वितरण किया गया तो तमिलनाडु को आठ सीटों का नुकसान होगा।

पटना। मुख्यमंत्री नितीश कुमार बख्तियारपुर- मोकामा फोरलेन सड़क का निरीक्षण करते।

लखनऊ। 21वीं रमजान का जुलूस पुराने लखनऊ से कर्बला तक निकाला।

संघ ने बांग्लादेश के हिन्दुओं के साथ एकजुटता से खड़े रहने और निर्णायक कार्रवाई का किया आह्वान

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने बांग्लादेश में इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों द्वारा हिन्दू समाज विशेष रूप से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के खिलाफ बढ़ती हिंसा और लक्षित उत्पीड़न पर गहरी चिंता व्यक्त की है। इसके साथ ही संघ ने वैश्विक समुदाय से हिन्दू समाज के साथ एकजुटता से खड़े रहने और निर्णायक कार्रवाई का आग्रह किया है।

संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा बेंगलुरु के चन्नेनहल्ली स्थित जनसेवा विद्या केंद्र में चल रही है। बैठक के दूसरे दिन शनिवार को सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने प्रतिनिधि सभा द्वारा पारित प्रस्तावों पर मीडिया को जानकारी दी। इस दौरान उनके साथ अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर भी मौजूद थे। सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने कहा कि भारत सरकार ने बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए सराहनीय कदम उठाए हैं। बांग्लादेश सरकार के साथ कूटनीतिक प्रयास भी किए हैं और कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी इस मुद्दे को उठाया है, लेकिन अगर अत्याचार जारी रहा या बढ़ा तो आगे और कार्रवाई की आवश्यकता हो सकती है।

अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा द्वारा बांग्लादेश के हिंदू समाज के साथ एकजुटता से खड़े रहने का आह्वान शीर्षक वाले प्रस्ताव पर उन्होंने कहा कि संघ बांग्लादेश में इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों के हाथों हिन्दू समाज विशेष रूप से अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति पर बढ़ती हिंसा, उत्पीड़न और लक्षित उत्पीड़न पर गहरी चिंता व्यक्त करता है। बांग्लादेश की स्थिति पर अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा द्वारा पारित प्रस्ताव में धार्मिक संस्थानों पर व्यवस्थित हमलों, क्रूर हत्याओं, जबरन धर्मांतरण और हिन्दुओं की संपत्तियों को नष्ट करने का आह्वान किया गया। बयान में कहा गया कि हिंसा के चक्र ने बांग्लादेश में हिन्दू समुदाय के लिए अस्तित्व का संकट पैदा कर दिया है। प्रतिनिधि सभा के प्रस्ताव में धार्मिक असहिष्णुता और मानवाधिकारों के उल्लंघन के इन कृत्यों की कड़ी निंदा की गई है और वैश्विक समुदाय से निर्णायक कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है।

अरुण कुमार ने कहा कि मठ-मंदिरों पर हमले, देवी-देवताओं की अपवित्रता, संपत्तियों की लूट और जबरन धर्म परिवर्तन निंदनीय है, लेकिन संस्थागत उदासीनता और सरकारी निष्क्रियता के कारण इन अपराधों के अपराधियों का हौसला बढ़ गया है। उन्होंने बांग्लादेश में हिन्दू आबादी में लगातार हो रही गिरावट पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 1951 में 22 प्रतिशत से आज सिर्फ.7.95 प्रतिशत रह गई है। यह इस संकट की गंभीरता को दशार्ता है। हिन्दुओं का ऐतिहासिक उत्पीड़न, खास तौर पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के बीच एक सतत मुद्दा बना हुआ है। हालांकि, पिछले साल संगठित हिंसा का स्तर और सरकार की निष्क्रिय प्रतिक्रिया बेहद चिंताजनक है।

अरुण कुमार ने कहा कि प्रतिनिधि सभा बांग्लादेश में बढ़ती भारत विरोधी बयानबाजी के बारे में भी चिंता जताती है, जो दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक रूप से गहरे संबंधों को प्रभावित करने का खतरा पैदा करती है। प्रस्ताव में पाकिस्तान और डीप-स्टेट तत्वों सहित अंतरराष्ट्रीय ताकतों के हस्तक्षेप की चेतावनी दी गई है, जो सांप्रदायिक तनाव को बढ़ावा देकर और अविश्वास को बढ़ावा देकर इस क्षेत्र को अस्थिर करना चाहते हैं। प्रस्ताव में इस बात पर जोर दिया गया है कि भारत और उसके पड़ोसी देश एक समान सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत साझा करते हैं और क्षेत्र के एक हिस्से में किसी भी तरह का सांप्रदायिक विवाद पूरे उपमहाद्वीप को प्रभावित करता है।

परिसीमन के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि जो लोग इस मुद्दे को उठा रहे हैं, उनसे पूछा जाना चाहिए कि क्या उनका कोई राजनीतिक एजेंडा है या वे वाकई जन कल्याण के बारे में सोच रहे हैं। अरुण कुमार ने नए भाजपा अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर भाजपा और संघ के बीच किसी भी तरह के मतभेद से इनकार किया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि संघ भाजपा के अंदरुनी मामलों पर चर्चा नहीं करता और भाजपा और संघ के बीच कोई मतभेद नहीं है। भाषा विवाद को लेकर अरुण कुमार ने राष्ट्रीय एकता में संघ की आस्था पर जोर दिया। उन्होंने कहा संविधान की प्रस्तावना में स्पष्ट रूप से लिखा है 'हम भारत के लोग', जिसका अर्थ है कि धर्म, भाषा या क्षेत्र के आधार पर कोई भेदभाव नहीं है। काम करते समय सभी को यही दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

विक्रमोत्सव में पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल का भव्य शुभारंभ

उज्जैन, (हि.स.)। उज्जैन में विक्रमोत्सव के अंतर्गत आयोजित पांच दिवसीय पौराणिक फिल्मों के अंतरराष्ट्रीय महोत्सव (आईएफएफएएस) का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर फिजी गणराज्य का उच्च आयोग एच.ई. जगन्नाथ सामल (उच्चायुक्त), नेपाल दूतावास रवींद्र जंग थापा और दीपक राज निरौला, राजनयिक दक्षिण अफ्रीकी उच्चायोग की रामसेला एवलिन लेसोथो, उच्च आयोग बोहलोकिमोरोजेल व मोत्सेलिसी बनार्डेटो फात्सिमो मोखोथो सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इन सभी अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर इस फिल्म समारोह का शुभारंभ किया।

सम्राट विक्रमादित्य के नगर में आकर हमें खुशी हुई : नेपाली राजनयिक थापाभारत में नेपाल दूतावास के राजनयिक रवींद्र जंग थापा ने समारोह को संबोधित कहा कि मुझे ऐतिहासिक और पौराणिक शहर उज्जैन आकर बेहद खुशी हुई है। यह विक्रमादित्य का महानगर है और हम विक्रम सम्वत को मानने वाले दुनिया के पहले देश नेपाल से आये हैं। विक्रम सम्वत हमारा राष्ट्रीय सम्वत

है, जिसकी शुरूआत सम्राट विक्रमादित्य ने की थी। उन्होंने कहा कि नेपाल एक बहुत ही खूबसूरत देश है, जहां फिल्म मेकिंग की अपार संभावनाएं हैं। फिल्मों के माध्यम से हम सांस्कृतिक आदान-प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ तथा मध्य प्रदेश शासन का धन्यवाद करते हुए कहा कि मेरे लिए यह बहुत ही गौरव की बात ही किया मुझे इस फि ल्म समारोह में आमंत्रित किया गया।

इस समारोह को संबोधित करते हुए अफ्रीकी देश लेसेथो देश कि राजनयिक मोत्सेलिसी बनार्डेटो फात्सिमो मोखोथो ने कहा कि लेसेथो और भारत के बीच सांस्कृतिक संबंध बहुत मजबूत है और इस तरह के फिल्म समारोह के माध्यम से हम चाहेंगे कि दोनों देश एक दूसरों की संस्कृतियों से परिचित हो। सिनेमा अपने आप को अभिव्यक्त करने का एक सशक्त माध्यम है। मैं उम्मीद करती हूँ कि यह फिल्म समारोह दोनों देशों के मध्य सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने जैसा महत्वपूर्ण कार्य करेगा।

फिजी गणराज्य का उच्च आयोग एच.ई. जगन्नाथ सामल (उच्चायुक्त) ने कहा कि भारत और फिजी का रिश्ता सदियों पुराना है। हमारे देश की आदि से अधिक आबादी भारतवंशियों की है। रामायण, महाभारत और गीता आज भी फिजी के भारतवंशियों के श्रद्धा के केंद्र में है। यह वह विरासत है जो हमारे पूर्वज इस देश से अपने साथ लेकर आए थे। भारतीय फिल्मों को लेकर उन्होंने कहा कि हिंदुस्तानी फिल्में विशेष कर बॉलीवुड की फिल्में फिजी में बेहद लोकप्रिय है। भारत के सहयोग से फिजी में बहुत सारे महत्वपूर्ण कार्य हो रहे हैं। इस अवसर पर उन्होंने महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ तथा मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त किया।

इस मौके पर अतिथियों का स्वागत महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी, विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज तथा विक्रम विश्वविद्यालय कार्य परिषद के अध्यक्ष राजेश सिंह कुशवाह ने किया। इसके उपरांत सभी सम्माननीय अतिथियों महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ परिसर में प्रदर्शित भारतीय ऋषि वैज्ञानिक परंपरा पर केन्द्रित प्रदर्शनी आर्ष भारत का अवलोकन भी किया।

महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को 9 फिल्मों का प्रदर्शन होगा जिसमें भारतीय भाषाओं में 'श्रीकृष्ण विवाह', महाभारत (1965), 'श्रीकृष्ण अवतार(तेलगू), 'कृष्ण लीला (बंगाली)', 'बलराम श्रीकृष्ण (गुजराती)', 'कृष्णा काबेरी (ओडिया)' व 'श्रीकृष्ण परूंथू (मलयालम)' आदि शामिल है। जबकि विदेशी भाषाओं में 'द लीप ऑफ द एंजल' एवं मंगोलिया की 'एबरेंस' है। विदेशी फिल्में इंग्लिश सबटाइटल वर्जन के साथ दिखाई जायेगी।

जल शक्ति मंत्री पाटिल ने देशवासियों को दी विश्व जल दिवस की बधाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने आज विश्व जल दिवस के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा है कि आज हरियाणा के पंचकूला में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ 'जल शक्ति अभियानः कैच द रेन 2025' श्रीगणेश होगा। केंद्रीयमंत्री पाटिल ने एक्स पर लिखा, "जल-प्रकृति का अमूल्य वरदान- न केवल जीवन का आधार है, बल्कि हमारी संस्कृति, कृषि और भविष्य की समृद्धि का मूल स्रोत भी है। इसकी सतत उपलब्धता सुनिश्चित करना हम सभी की संयुक्त जिम्मेदारी है। आज हरियाणा के पंचकूला में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जी के साथ जल शक्ति अभियानः कैच द रेन 2025 का शुभारंभ होने जा रहा है।" उन्होंने कहा कि इस वर्ष की थीम है-जल संचय, जनभागीदारीः जन जागरूकता की ओर। पाटिल ने कहा कि यह सिर्फ एक थीम नहीं, जन-जन के जीवन से जुड़ा एक राष्ट्रीय आंदोलन भी है। पंचकूला में होने वाले इस आयोजन की पूर्व संध्या पर भारत सरकार के पत्र एवं सूचना कार्यालय (पीआईबी) से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, जल शक्ति मंत्रालय जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए विश्व जल दिवस पर जल शक्ति अभियानः कैच द रेन 2025 शुरू करेगा। केंद्र सरकार सामुदायिक भागीदारी और नवीन रणनीतियों के माध्यम से जल संरक्षण और प्रबंधन पर बल दे रही है। पंचकूला में होने वाला कार्यक्रम के माध्यम से देश के 148 जिलों में समुदाय के नेतृत्व में जल संरक्षण और स्थिरता को बढ़ावा दिया जाएगा। यह कार्यक्रम पंचकूला के ताऊ देवी लाल स्टेडियम के मल्टीपर्पज हॉल में होगा। पीआईबी के अनुसार, इस कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल प्रमुख रूप से मौजूद रहेंगे। इस अवसर पर जल संरक्षण पर कलात्मक अभिव्यक्तियों को प्रदर्शित करने वाली एक पेंटिंग और मूर्तिकला प्रदर्शनी का लोकार्पण किया जाएगा। इसके अलावा नदियों, झरनों और जंगलों के बीच पारिस्थितिक संबंध को मजबूत करने वाले जल-जंगल-जनः एक प्राकृतिक बंधन अभियान का शुभारंभ होगा। वैज्ञानिक जल संसाधन प्रबंधन में सहायता करने वाली मुख्यमंत्री जल संचय योजना और हरियाणा के लिए जल संसाधन एटलस का ई-लॉन्च किया जाएगा।

रीएजेंट खरीद घोटाले में ईओडब्ल्यू की विशेष अदालत ने पांचों आरोपितों को सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा

रायपुर, (हि.स.)। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कापोर्रेशन (सीजीएमएससी) में करोड़ों के रीएजेंट खरीद घोटाले में ईओडब्लू की विशेष अदालत ने पांचों आरोपितों को आज सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। ईओडब्ल्यू ने दो आईएएस समेत सीजीएमएससी और हेल्थ विभाग के दर्जन भर अधिकारियों को तलब कर लंबी पूछताछ करने के बाद की पांचों लोगों को शुक्रवार देर रात गिरफ्तार किया था।

ज्ञात हो कि सीजीएमएससी घोटाला मामले में ईओडब्लू ने शनिवार बड़ी कार्रवाई करते हुए स्वास्थ्य विभाग के पांच अधिकारियों को न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव की कोर्ट में कोर्ट में पेश किया। इन पांच अधिकारियों में सीजीएमएससी के तत्कालीन महाप्रबंधक बसंत कौशिक के साथ डॉ अनिल परसाई, शिरौंद्र रावटिया, कमलकांत पाटनवार और दीपक बांधे शामिल है। ईओडब्ल्यू ने कोर्ट से 15 दिनों की रिमांड का आवेदन दिया था। वहीं, कोर्ट ने 28 मार्च तक सभी आरोपितों को पुलिस रिमांड पर सौंप दिया है।

वहीं आज कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ राकेश गुप्ता ने प्रेस क्लब रायपुर में सीजीएमएससी घोटाले मामले में राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए इस केस की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मीडिया में लगातार खबरें छपने के बाद राज्य की भाजपा सरकार ने दबाव में आकर रिएजेंट और दवा सप्लाई घोटाले की जांच की घोषणा की थी। आरोप लगाया कि इस मामले की लीपापोती करने ईओडब्ल्यू से जांच कराई जा रही है, जबकि यह केंद्रीय पैसे में घोटाला है। इसलिए इसकी जांच सीबीआई से करानी चाहिये। उन्होंने कहा कि इस घोटाले में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल भी शामिल हैं।

हम अपने अधिकारों, अस्तित्व और संविधान की रक्षा के लिए एक साथ हैं : डीके शिवकुमार

चेन्नई, (हि.स.)। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा, हम अपने अधिकारों, अस्तित्व और संविधान के अस्तित्व के लिए लड़ने के लिए एक साथ हैं। उन्होंने शनिवार को चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मीडिया को यह प्रतिक्रिया दी।

डीके शिवकुमार ने कहा, हम अपनी संसदीय सीटों में कमी नहीं आने देंगे। दक्षिणी राज्य देश के विकास में बहुत योगदान दे रहे हैं। हम शैक्षणिक मानकों, आर्थिक विकास समेत कई पहलुओं में बहुत आगे हैं और कर भुगतान में भी हम सबसे आगे हैं।

उन्होंने कहा, हम वे लोग हैं जो इस कहावत में विश्वास करते हैं कि 'एक साथ आना शुरूआत है, एक साथ सोचना प्रगति है, एक साथ काम करना प्रगति है।' स्टालिन के नेतृत्व में दक्षिणी भारतीय राज्य और पंजाब राज्य भाग ले रहे हैं और हम किसी भी कारण से अपने अधिकारों को नहीं छोड़ सकते। पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी ने भी 2002 में 84वें संशोधन के माध्यम से संविधान में बदलाव का प्रस्ताव रखा था।

उन्होंने कहा, हम निर्वाचन क्षेत्र परिसीमन के मुद्दे पर हारेंगे नहीं, हमारी लड़ाई जारी है। हम अपनी सीटें कम नहीं होने देंगे। हम अपने निजी अधिकारों के लिए नहीं लड़ रहे हैं, हम देश के लिए लड़ रहे हैं। मीडिया को भी यह बात समझनी चाहिए।

लखनऊ। आयुक्त एवं निबंधक सहकारिता के कार्यालय पर पत्रकार वार्ता को संबोधित करते डॉक्टर आशीष कुमार भूटानी सचिव भारत सरकार।

Page-04_Layout 1 3/22/2025 11:20 PM Page 1

सम्पादकीय

क्या प्रधान पति, मुखिया पति, सरपंच पति की होगी छुट्टी

आधी आबादी की भागीदारी के बिना विकसित भारत का स्वप्न संभव नहीं है। महिलाएं देश की राजनीतिक व्यवस्था में भाग लें, इसके लिये त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था में उनकी भागीदारी आरक्षण के द्वारा सुनिश्चित की गई। आज 33 से 50 फीसदी तक महिला आरक्षण राज्यवार दिया गया है। इसका उद्देश्य साफ था कि अंतिमजनों की आवाजों को प्रमुखता से सुनना। पर व्यवस्था की खामियों का क्या किया जाए, ये अपना रास्ता निकाल ही लेते हैं। आज इस त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था की एक बड़ी समस्या प्रधान पति, मुखिया पति, सरपंच पति बने हुए हैं। हालिया रिपोर्ट में भी यह समस्या उजागर की गई है कि कैसे महिला सरपंच के पुरुष प्रतिनिधि उनकी जगह पर काम कर रहे हैं। रिपोर्ट कहती है कि उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा और राजस्थान में प्रॉक्सी प्रतिनिधित्व की संख्या अन्य राज्यों की तुलना में कहीं ज्यादा है।

पिछले दिनों पंचायती राज मंत्रालय द्वारा पूर्व खान सचिव सुशील कुमार के नेतृत्व में गठित समिति ने एक रिपोर्ट मंत्रालय को पेश की है। इस समिति का गठन सितंबर, 2023 में किया गया था। पंचायती राज प्रणालियों और संस्थाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व और भूमिकाओं को बदलना: प्रॉक्सी भागीदारी के प्रयासों को खत्म करना शीर्षक वाली यह रिपोर्ट प्रॉक्सी प्रतिनिधित्व की बात जोर-शोर से उठाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गांवों में महिलाओं की पारंपरिक और सदियों पुरानी पितृसत्तात्मक मानसिकता और कठोर सामाजिक-सांस्कृतिक मानदंडों को मनवाने से भी महिला प्रतिनिधित्व पीछे चला जाता है। इसमें एक है कई तरह की पर्दा प्रथाओं का पालन करना। रिपोर्ट में एक कारण राजनीतिक दबाव को भी बताया गया है, जिसमें राजनीतिक विरोधियों द्वारा मिलने वाली धमकी और दबाव भी है जिसे न मानने पर उन्हें हिंसा का सामना करना पड़ता है।

इसके अतिरिक्त महिलाओं की घरेलू जिम्मेदारियों के कारण उन्हें सार्वजनिक कामों से खुद को अलग करने का दबाव भी रहता है। घर और बाहर दोनों जिम्मेदारियों के दबाव में वे अक्सर घर की जिम्मेदारियों को चुन लेती हैं। इसके अतिरिक्त बहुत बड़ा कारण उनका अशिक्षित रह जाना भी है। बहुत-सी सामाजिक-सांस्कृतिक कारणों से महिलाओं को शिक्षा और सार्वजनिक कामों के अनुभव न हो पाने के कारण वे निर्वाचित होने के बावजूद अपनी भूमिका सीमित कर लेती हैं। सबसे ज्यादा उन्हें वित्तीय निर्णय संबंधी कामों में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है जिसकी वजह से वे संबंधित पुरुष साथियों की मदद लेने को मजबूर हो जाती हैं।

स्थानीय शासन में वास्तविक महिला नेतृत्व को मजबूत करने के मंत्रालय के लगातार प्रयासों के पक्ष में यह रिपोर्ट महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली है। इसकी वजह है कि इसमें न केवल वास्तविक समस्या की पहचान की गई है बल्कि समस्या का समाधान भी प्रस्तावित किया गया है। इस कड़ी में मंत्रालय द्वारा साल भर चलने वाला सशक्त पंचायत नेत्री अभियान है, जिसे देश भर में पंचायती राज संस्थाओं की महिला प्रतिनिधियों की क्षमता और प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए बनाया गया है। यह पंचायती राज पदों पर निर्वाचित महिलाओं के कौशल और आत्मविश्वास के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करेगा। साथ ही यह सुनिश्चित करेगा कि वे अपने संवैधानिक अधिकारों और जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से उपयोग कर रही हैं कि नहीं। इस रिपोर्ट में इस समस्या से निपटने के लिये कुछ सुधारात्मक दंड की सिफारिशें की गई हैं। ताकि प्रधान पति, सरपंच पति या मुखिया पति की प्रथा पर रोक लगाई जा सके।

देश की पहली एमबीए सरपंच राजस्थान के टोंक जिले से सोदा गांव की छवि राजावत थीं, जो 2010 में सरपंच बनीं और महिला सशक्तिकरण के लिये काम किया था। अपने एक लेख में कहती हैं कि मेरा केस अपवाद हो सकता है आज भी देश में बहुत-सी निर्वाचित महिला सरपंच शिक्षा और प्रशासनिक ढांचे के सामान्य ज्ञान की कमी से जूझ रही हैं। परिणामस्वरूप वे अलग-थलग पड़ जाती हैं। इस कारण उनकी छोड़ी गई जगहों को भरने के लिये संबंधी पुरुष आगे आ जाते हैं। कुछ मामलों में तो पुरुषों के सपोर्ट को निर्माण परियोजनाओं में मार्गदर्शन प्रदान करने या काम की निगरानी करने या फिर उन्हें सुरक्षा प्रदान करने की दृष्टि से सही ठहराया जाता है। इस नेक इरादे के बावजूद यह प्रयास महिला आरक्षण के उद्देश्य को कहीं न कहीं नुकसान पहुंचाता है।

प्रॉक्सी प्रतिनिधित्व के कारणों को गौर किया जाये तो वे सभी वही कारण हैं जिनकी वजह से महिलाओं को घर के बाहर सार्वजनिक भूमिका को स्वीकारा नहीं जाता है। स्वीकारने से पहले उनकी सार्वजनिक भूमिका को ही नकारने की प्रवृत्ति रहती है, जो उनकी राह में कई तरह की बाधाओं के रूप में सामने आती है। पंचायती शासन प्रणाली को लागू हुए 31 वर्ष हो चुके हैं। महिला प्रतिनिधियों को किसी न किसी बहाने उन्हें उनकी पारंपरिक भूमिका में सीमित करने की मानसिकता में ऐसे ही किन्हीं सरकारी प्रयासों से कुछ संभव हो सकता है, यह आगे हम सबके सामने होगा।

आरएनआई नं. DELHIN/2009/28518 स्वामी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक रमाकांत पाण्डेय द्वारा दिव्य भारत प्रकाशन के लिए न-93 डी नारायण नगर दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफल इंफोटेक लि., प्रेस, सी-9 सेक्टर 3 नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : रमाकांत पाण्डेय, कार्यकारी सम्पादक : आलोक पाण्डेय, फोन : 7701825882, 7905152597, पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन एवं प्रकाशन के लिए उत्तरदायी।
E-mail : newdibyabharat@gmail.com

बिहार के चुनाव में कब बनेगा विकास का मुद्दा?

मनोज कुमार मिश्र

दिल्ली के बाद बिहार चुनावी अखाड़ा बन गया है। लोकसभा चुनाव के बाद पहले हरियाणा, महाराष्ट्र और फरवरी में दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने के बाद भाजपा के हौसले बुलंद हैं। बावजूद इसके भाजपा बिहार में फिर से मौजूदा मुख्यमंत्री और जनता दल (एकी) के नेता नीतीश कुमार को ही मुख्यमंत्री का चेहरा बनाकर चुनाव लड़ने की तैयारी में है। भाजपा ने बिहार में छोटे-छोटे दलों के साथ चुनाव लड़कर देख लिया है। उसे अच्छी सफलता जद (एकी) के साथ लड़ने पर ही मिली। दूसरा बिहार के जातीय समीकरण में भाजपा को इस गठबंधन के साथ यानी राजग (राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन) के नाम से चुनाव लड़ने में राजनीतिक लाभ भी दिख रहा है। नीतीश कुमार भी भाजपा से उपकृत हैं। 2020 के चुनाव में ज्यादा सीटें लड़ने के बावजूद जनता दल (एकी) को भाजपा से काफी कम सीटें मिलीं। भाजपा ने बड़ा दिल दिखाते और चुनावी वादे के अनुरूप नीतीश कुमार को ही मुख्यमंत्री बनाया था। 243 सीटों वाली विधानसभा में जद (एकी) 115 सीटें लड़ कर 43 सीटें जीती जबकि भाजपा 110 सीटें लड़कर 74 सीटें जीती। सवाल यह इस बार के लिए महत्वपूर्ण है कि राजग के घटकों में कौन कितनी सीटें पाएगा और क्या ज्यादा सीटें लाकर भी भाजपा फिर से नीतीश कुमार को ही मुख्यमंत्री बनाएगी।

यह तो तय ही है कि पिछली बार की तरह इस बार भी मुख्य मुकाबला भाजपा, जद (एकी), चिराग पासवान की पार्टी लोजपा और जीतन राम मांझी की पार्टी हम आदि राजग के दलों और लालू यादव के पुत्र तेजस्वी यादव की राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस और महागठबंधन के दलों के बीच ही होना है। सीटों और तालमेल का जितना विवाद राजग में होने की आशंका है उससे कई गुणा विवाद महागठबंधन में होता दिख रहा है। अभी तो जिस तरह की पैंतरेबाजी राजद और कांग्रेस में चल रही है, उससे तो साल के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के वजूद पर ही सवाल उठने लगे हैं। 2020 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव में बिहार में इन दलों की हैसियत में काफी बदलाव आया। सत्ता में न आ पाने के बावजूद विधानसभा चुनाव में राजद को सबसे ज्यादा 75 सीटें मिली थी। लोकसभा चुनाव में राजग को 40 में से 30 सीटें मिली। उस चुनाव में भी महागठबंधन के दोनों बड़े दलों में तनातानी खूब हुई थी। राजीव रंजन उर्फ पप्पू यादव के लिए लालू यादव पूर्णिया की सीट छोड़ने को तैयार नहीं हुए। विपरीत परिस्थियों में पप्पू यादव ने बतौर बागी उम्मीदवार लड़कर वह सीट जीत ली। वे पहले भी काफी समय से लालू यादव और उनके लोगों के खिलाफ बोलते रहे हैं। लोकसभा चुनाव के बाद तो वे खुलकर खिलाफ बोलने लगे हैं।

दोनों दलों में विवाद का दूसरा नाम जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार का है। वे भाकपा की छात्र शाखा एआईएसएफ से भाकपा में आकर 2019 का लोकसभा चुनाव बिहार के बेगुसराय से लड़े। कहते हैं कि तब ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी उन्हें अपनी पार्टी से उसी सीट से लड़ाना चाहते थे। उस चुनाव में कन्हैया कुमार को सफलता नहीं मिली। 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस में शामिल होने पर कांग्रेस उन्हें बिहार से चुनाव लड़वाना चाहती थी लेकिन लालू यादव के विरोध के चलते उन्हें दिल्ली उत्तर पूर्व सीट से चुनाव लड़वाया गया। उन्हें इस बार भी सफलता नहीं मिली। बावजूद इसके उन्हें दिल्ली विधानसभा चुनाव में सक्रियता से कांग्रेस के लिए चुनाव प्रचार किया। उसके तुरंत बाद उन्हें बिहार में सक्रिय किया गया। वे एनएसयूआई की पलायन रोको और नौकरी दो, पदयात्रा की अगुवाई कर रहे हैं। चुनाव की तैयारी शुरू करते ही कांग्रेस ने दलित विधायक राजेश कुमार को प्रदेश की बागडोर सौंपी है। कहा जाता है कि लालू यादव अपने गठबंधन में ऐसा कोई नेता स्वीकारने को तैयार नहीं हैं, जो मुख्यमंत्री के लिए उनके पुत्र तेजस्वी यादव की दावेदारी को चुनौती दे।

वैसे तो देशभर के चुनाव में ही जातीय समीकरण प्रभावी रहता है लेकिन बिहार तो जातिवाद और जाति के हिसाब से राजनीति के लिए शुरू से ही बदनाम रहा है। संख्या बल के हिसाब से ऊंची कहे जाने वाली (सवर्ण) जातियों की संख्या कम है इसलिए हर दल को फोकस पिछड़ी जाति, दलित और अल्पसंख्यक हैं। माना जाता है कि भाजपा के खिलाफ ही अल्पसंख्यक (मुसलिम) वोट डलते हैं लेकिन भाजपा के साथ चुनाव लड़ने पर भी उसके सहयोगी दलों को अल्पसंख्यकों के एक वर्ग का वोट मिल जाता है। यह भी माना ही जा रहा है कि करीब 20 साल मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे नीतीश कुमार का यह आखिरी चुनाव है। वे खुद एक मजबूत पिछड़ी जाति से आते हैं। इतने लंबे समय तक सत्ता में रहने पर उन पर एक भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा। तमाम विरोध के बावजूद उनके शराबबंदी के फैसले का बड़ी तादाद में गरीब महिलाओं का समर्थन आज भी उन्हें मिलता है। उनकी लगातार होती जीत का एक आधार महिलाएं हैं। लालू यादव के जंगल राज से उलट उनकी छवि सुशासन बाबू की बनी हुई है। कई उल्लेखनीय काम उनके खाते में है लेकिन वे बिहार को विकास की दौड़ में शामिल करने में पूरी तरह से सफल नहीं हो पाए। न ही पलायन रुका और न ही बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा हुए। केन्द्र सरकार के सहयोग से हर गांव सड़क से जुड़ा। हर गांव में बिजली पहुंची। कई और केन्द्रीय योजनाओं का लाभ बिहार के लोगों को मिला। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता का लाभ इस गठबंधन और खास करके भाजपा को होगा ही। अगर सीटों पर विवाद नहीं हुआ तो इस गठबंधन की राह ज्यादा कठिन नहीं है। नीतीश कुमार सरकार के राजगीर, नालंदा में हुए काम मील के पत्थर साबित हो रहे हैं। उम्र बढ़ने का उन पर हो रहे असर से उन्हें और उनकी सरकार का नुकसान हो रहा है। उनके हाल के कुछ बयान विवादास्पद रहे हैं। यह भी सत्य है कि शराबबंदी से राज्य के राजस्व का काफी नुकसान हुआ है और बड़ी मात्रा में बिहार में शराब की तस्करी हो रही है।

अभी हाल ही में एक जाति विशेष के गुंडों ने अलग-अलग स्थानों पर दो एएसआई की हत्या कर दी। कई और बड़े अपराध हुए। बावजूद इसके जिस बिहार ने लालू यादव और उनकी पत्नी राबड़ी देवी का जंगल राज भोगा है, वे कानून व्यवस्था के नाम पर लालू यादव की पार्टी का साथ नहीं दे सकते। बिहार चुनाव में जातिवाद प्रभावी होता है इसलिए यादव बिरादरी का भरपूर समर्थन राजद को मिलेगा ही। उसी तरह कुर्मी वोटों का बड़ा हिस्सा जनतादल (एकी) का माना जाता है। बाकी पिछड़ी जातियों को अपने पक्ष में लाने की होड़ सभी दलों में लगी है। भाजपा ने पहले एक मजबूत पिछड़ी जाति के नेता सम्राट चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष और उप मुख्यमंत्री बनाया, अब दूसरी पिछड़ी जाति के दिलीप जायसवाल को प्रदेश अध्यक्ष बना दिया है। वैसे पढ़े-लिखे कद्दावर नेता सुशील कुमार मोदी के निधन के बाद उन जैसा दूसरे कद्दावर नेता की भाजपा को तलाश है। राजग के एक घटक के नेता उपेन्द्र कुशवाहा भी अपनी बिरादरी में बड़ी दखल रखते हैं। दलित वोटों के दावेदार दोनों ही गठबंधनों में हैं। भाजपा और जद(एकी) को दलितों के एक वर्ग का समर्थन मिलता ही रहा है। केन्द्रीयमंत्री चिराग पासवान और जीतन राम मांझी भी इस गठबंधन में दलित वर्ग को जोड़ते ही हैं। दलित वोटों में राजद और कांग्रेस की भी दावेदारी रहेगी। असली भिड़ंत तो अल्पसंख्यक वोटों पर होगी। अब तो बिहार की राजनीति में सवर्ण जातियों की दखलंदाजी लगातार घट रही है। बावजूद इसके लालू-राबड़ी राज में उन जातियों के दमन ने उन्हें राजद का स्थाई विरोधी बना दिया है। वैसे यह भी कम चौंकाने वाली जानकारी नहीं है उसी पार्टी के नेता रहे रघुबंश प्रसाद सिंह (अब स्वर्गीय) और जगदानंद सिंह को एक सवर्ण जाति का भरपूर समर्थन मिलता रहा है।

बिहार चुनाव अभी करीब छह महीने दूर है लेकिन वहां सत्ता के दावेदार अनेक बड़े दलों की सक्रियता लगातार बढ़ रही है। इस बार के केन्द्रीय बजट में भी केन्द्र की भाजपा की अगुवाई वाली सरकार का फोकस बिहार पर दिखा। देश के सबसे पिछड़े राज्यें में शामिल बिहार अब भी किसी बड़े चमत्कार के भरोसे है, जो उसे पिछड़े से विकास की दौड़ में शामिल करा दे। "पलायन का प्रयाय बने बिहार में भरपूर रोजगार के अवसर दिलाकर पलायन पर रोक लगवा दे। बिहार में गुरुग्राम, फरीदाबाद, नोएडा और ग्रेटर नोएडा की तरह समृद्ध औद्योगिक नगरी बना दे"- लंबे समय से इसी मुद्दे पर अलख जगाने वाले जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर के अभियान की भी इस चुनाव में परीक्षा होनी है। हाल ही के विधानसभा उपचुनाव में उनकी पार्टी को ढंग का समर्थन नहीं मिला। दावे चाहे जो किए जाएं लेकिन बिहार की सबसे बड़ी समस्या जातिवाद है। इस चुनाव में भी जातिवाद ही सबसे बड़ा मुद्दा रहने वाला है। अगर जातिवाद के बजाए विकास, रोजगार, शिक्षा आदि मुद्दे चुनाव तक मुख्य मुद्दे बन जाएं तो बिहार का कल्याण ही हो जाए और सालों से उस पर लगे गरीबी और पिछड़ेपन का ठप्पा हट जाए जाएगा।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

टीबी के खिलाफ तेज करनी होगी जंग

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत लंबे समय से टीबी की बीमारी से जंग लड़ रहा है। अब टीबी को लेकर एक डरावनी स्टडी सामने आई है। जर्नल प्लस मेडिसीन की स्टडी के मुताबिक, भारत में अनुमान है कि 2021 से 2040 तक टीबी के 6 करोड़ केस और 80 लाख मौतें हो सकती है। स्टडी के मुताबिक भारत को इस बीमारी के चलते न सिर्फ जान का नुकसान होगा बल्कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को 146 अरब डॉलर से अधिक का नुकसान होने की संभावना है। लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन यूके के रिसर्चर ने कहा कि इसके चलते कम आय वाले मिडिल क्लास परिवार ज्यादा संकट में है। उनको स्वास्थ्य संबंधी बोझ झेलना पड़ सकता है। जबकि अमीर परिवारों को आर्थिक बोझ झेलना पड़ सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने वैश्विक क्षय रोग (टीबी) रिपोर्ट 2024 जारी की है, जिसमें 2024 में दुनिया की 99 प्रतिशत से अधिक आबादी और टीबी के मामलों वाले 193 देशों के डेटा को शामिल किया गया है। यह रिपोर्ट वैश्विक, क्षेत्रीय और देश स्तर पर टीबी महामारी एवं रोग की रोकथाम, निदान और उपचार में प्रगति का व्यापक व अद्यतन मूल्यांकन प्रदान करती है। रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष के अनुसार 2023 में भारत में लगभग 25.2 लाख टीबी के मामले सामने आये थे। जो 2022 में 24.2 लाख मामलों से अधिक थे। भारत और इंडोनेशिया में वर्ष 2021 से 2023 तक टीबी के वैश्विक मामलों में कुल वृद्धि 45 प्रतिशत थी। दुनिया के पांच देश भारत, इंडोनेशिया चीन, फिलीपींस, पाकिस्तान में टीबी के कुल वैश्विक मरीजो के 56 प्रतिशत थे। भारत में वर्ष 2015 से 2023 के मध्य टीबी के मामलों में 18 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वर्ष 2025 तक 50 प्रतिशत कमी के लक्ष्य से बहुत कम है। इसी प्रकार टीबी से संबंधित मौतों में 75 प्रतिशत के लक्ष्य के मुकाबले केवल 24 प्रतिशत की कमी आई है। वैश्विक स्तर पर 2023 में 82 लाख लोगों में टीबी के नए मामलें देखे गए। यह वर्ष 1995 में डब्ल्यूएचओ द्वारा निगरानी शुरू करने के बाद से सबसे अधिक संख्या है। 2023 में टीबी कोविड-19 को पीछे छोड़ते हुए पुनः प्रमुख संक्रामक रोग बन गया है। टीबी एक संक्रामक बीमारी है, जो संक्रमित लोगों के खांसने, छींकने या थूकने से फैलती है। यह आमतौर पर फेफड़ों को प्रभावित करती है। लेकिन यह शरीर के किसी भी हिस्से में फैल सकती है। इस बीमारी का इलाज तो है बशर्ते लोग नियमित रूप से दवा लें। हर वर्ष 24 मार्च को पूरे विश्व में टीबी (विश्व क्षय रोग) दिवस मनाया जाता है। इस दिन टीबी यानि तपेदिक रोग के बारे में लोगों को जागरूक किया जाता है। भारत में बहुत बड़ी आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन गुजार रही है। देश में जब तक गरीबी दूर नहीं होगी तब तक टीबी पर पूर्णतया रोक नहीं लग पायेगी।

एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में स्वास्थ्य सेवा का बड़ा ढांचा कमजोर है और स्वास्थ्य कर्मचारियों की भारी कमी है। इसके अलावा बीमारी का शुरूआती दौर में पता लगने में दिक्कत और सही इलाज का मिलना चुनौती बनी हुई है। विश्व में भारत पर टीबी का बोझ सबसे अधिक है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में टीबी उन्मूलन को प्राथमिकता के तौर पर लिया गया है। इसका उद्देश्य टीबी के नए मामलों में 95 प्रतिशत की कमी करना और टीबी से मृत्यु में 95 प्रतिशत की कमी लाना है। देश में जिन टीबी रोगियों का इलाज चल रहा है उन्हें सरकार 500 रुपये प्रतिमाह प्रदान करती है। टी.बी माइक्रोबैक्टीरियम नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है। यह बैक्टीरिया फेफड़ों में उत्पन्न होकर उसमें घाव कर देते हैं। यह कीटाणु फेफड़ों, त्वचा, जोड़ों, मेरूदण्ड, कण्ठ, हड्डियों, अंतडियों आदि पर हमला कर सकते हैं। दुनिया में छह-सात करोड़ लोग इस बीमारी से ग्रस्त हैं और हर वर्ष 25 से 30 लाख लोगों की इससे मौत हो जाती है। दुनिया में बीमरियों से मौत के 10 शीर्ष कारणों में टीबी को प्रमुख बताया गया है।

एक अनुमान के मुताबिक भारत में रोजाना करीब आठ सौ लोगों की मौत टीबी की वजह से हो जाती है। भारत में टीबी के करीब 10 प्रतिशत मामले बच्चों में हैं। लेकिन इसमें से केवल छह प्रतिशत मामले ही सामने आते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि भारत में टीबी के केवल 58 प्रतिशत मामले ही दर्ज होते हैं। एक तिहाई से ज्यादा मामले या तो दर्ज ही नहीं होते हैं या उनका इलाज नहीं हो पाता है। इसका बड़ा कारण यह है कि गैर सरकारी सेक्टर के अस्पतालों में टीबी को दर्ज किए जाने का अब तक कोई सिस्टम नहीं बना पाना है। संगठन का ऐसा अनुमान है कि ऐसे तकरीबन दस लाख और टीबी मरीज देश में है जिन्हें पहचाना ही नहीं जा सका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि भारत टीबी से निपटने को लेकर गंभीर नहीं है। अपनी ग्लोबल टीबी रिपोर्ट में उसने हमारे आंकड़ों पर भी सवाल उठाया है। उसके मुताबिक भारत ने टीबी के जितने मामले बताए हैं, वास्तव में मरीज उससे कहीं ज्यादा हैं। भारत के गलत आंकड़ों की वजह से इस रोग का विश्वस्तरीय आकलन सही ढंग से नहीं हो पाया है। पिछले कुछ समय से टीबी के कई नए रूप सामने आ गए हैं। कई मानसिक बीमारियां टीबी का बड़ा कारण बनकर उभरी हैं। इस बीमारी को लेकर हमे नजरिया बदलने की जरूरत है। सरकार को परम्परागत तौर-तरीके से बाहर निकलना होगा। टीबी से निपटने के लिए सरकार को निजी क्षेत्र के साथ मिलकर व्यापक योजना बनानी होगी। टीबी का संबंध पोषण से जुड़ा रहता है। भूखे पेट रोगों से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है। इसलिए टीबी की बीमारी के शिकार गरीब तबके के लोग ज्यादा होते हैं। पोषण से मतलब संतुलित भोजन से माना जाना चाहिए। इसलिए यहां पर केवल टीबी का इलाज मुहैया करा भर देने से टीबी का खात्मा संभव नहीं है। यह तब मुमकिन होगा जबकि देश में लोगों को रोग प्रतिरोधक ताकत बनाए रखने के लिए संतुलित आहार भी मिले। कुछ वर्ष पूर्व तक टीबी की बीमारी को लाइलाज रोग माना जाता था। टीबी के मरीजों को घर से अलग रखा जाता था व उससे अछूत जैसा व्यवहार किया जाता था। मगर अब टीबी की बीमारी का देश में पर्याप्त उपचार व दवा उपलब्ध है। टीबी के रोगियों द्वारा नियमित दवा के सेवन से नौ माह में ही टीबी का रोगी पूर्णतः स्वस्थ हो जाता है। सरकार को टीबी रोग की प्रभावी रोकथाम के लिये बजट में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिये और अधिक राशि का प्रावधान करना होगा। टीबी के प्रति लोगों को सचेत करने के लिये देश भर में टीबी जागरूकता कार्यक्रम चलाने होंगे। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य केन्द्रो की संख्या बढ़ाकर ही टीबी पर काबू पाया जा सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक सरकार को इस क्षेत्र में एक ठोस अभियान शुरू करना होगा और साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इस जानलेवा बीमारी पर काबू पाने की राह में पैसों की कमी आड़े नहीं आए। यदि ऐसा नहीं हुआ तो इससे मरने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी होगी। सरकार ने टीबी रोग को मिटाने के लिये जो प्रतिबद्धता जतायी है उस पर तुरन्त अमल करने की जरूरत है। विश्व क्षयरोग दिवस 2025 की थीम है हां हम टीबी को समाप्त कर सकते हैं। प्रतिबद्ध हों, निवेश करें, परिणाम दें। यह टीबी को समाप्त करने के लिए चल रहे प्रयासों पर विचार करने और स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत प्रतिबद्धता को प्रोत्साहित करने का अवसर प्रदान करता है, जिसमें दवा प्रतिरोधी टीबी के बढ़ते खतरे का मुकाबला करना भी शामिल है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

राजस्थान दिवस वर्ष प्रतिपदा पर मनाने का निर्णय

मुरारी गुप्ता

स्वामी विवेकानंद ने अपने एक भाषण में कहा था कि यदि हमें गौरव से जीने की भावना जागृत करनी है और यदि हम अपने हृदय में देशभक्ति के बीज बोना चाहते हैं तो हमें हिंदू राष्ट्रीय पंचांग की तिथियों का आश्रय लेना होगा। जो कोई भी विदेशियों की तिथियों पर निर्भर रहता है वह गुलाम बन जाता है और आत्मसम्मान खो देता है। स्वामी विवेकानंद की यह उद्घोषणा भारतीय संस्कृति और काल गणना के महत्त्व को रेखांकित करता है। साथ ही भारत के नीति निमार्ताओं को भी मार्गदर्शन देती है कि उन्हें राष्ट्र और समाज के उत्थान और उसके आत्मविश्वास को सुदृढ़ करने के लिए क्या करना चाहिए। हाल ही राजस्थान सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेकर राजस्थान राजस्थान का स्थापना दिवस भारतीय तिथि के अनुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को मनाने की घोषणा की है। विधानसभा के पटल पर रखा गया मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का ये निर्णय भारत की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने की ओर महत्वपूर्ण कदम है। निश्चित तौर पर इससे राजस्थान दिवस समारोह राजस्थान की आम जनता का उत्सव बन सकेगा। गौरतलब है कि भारतीय नववर्ष मनाने के लिए गठित नववर्ष समारोह समिति गत 24 वर्षों से राजस्थान सरकार से लगातार मांग कर रही थी कि राजस्थान स्थापना दिवस 30 मार्च के बजाय वर्ष प्रतिपदा नव संवत्सर पर मनाया जाए। इसके पीछे उनका तर्क है कि राजस्थान की स्थापना हिन्दू पंचांग के अनुसार इसी दिन शुभ मुहूर्त देखकर हुई थी। उस दिन 30 मार्च थी। बाद में वर्ष प्रतिपदा को भुला दिया गया और 30 मार्च को स्थापना दिवस मनाया जाने लगा। 30 मार्च 1949 को संयुक्त राजस्थान के उद्घाटन के अवसर पर तत्कालीन गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने भी अपने भाषण में इस बात का उल्लेख किया था। अपने महत्वपूर्ण भाषण में तब उन्होंने कहा था– राजपूताना में आज नए वर्ष का प्रारंभ है। यहां आज के दिवस वर्ष बदलता है। शक बदलता है। यह नया वर्ष है। तो आज के दिन हमें नए महा-राजस्थान के महत्व को पूर्ण रीति से समझ लेना चाहिए। आज अपना हृदय साफ कर ईश्वर से हमें प्रार्थना करनी चाहिए कि वह हमें राजस्थान के लिए योग्य राजस्थानी बनाये। राजस्थान को उठाने के लिए राजपूतानी प्रजा की सेवा के लिए ईश्वर हमको शक्ति और बुद्धि दे। आज इस शुभ दिन हमें ईश्वर का आशीर्वाद मांगना है। मैं आशा करता हूं कि आप सब मेरे साथ राजस्थान की सेवा की इस प्रतिज्ञा में इस प्रार्थना में सम्मिलित होंगे। जय हिंद!

बल्लभ भाई पटेल के भाषण की बातें राजस्थान का स्थापना दिवस समारोह वर्ष प्रतिपदा जैसे शुभ अवसर पर आयोजित करने के लिए पर्याप्त है। भारतीय नववर्ष महज तिथि का बदलना नहीं है। यह वह अवसर है जब प्रकृति पूरी तरह सजधज कर दुल्हन का सा स्वरूप धारण करती है। वसंत ऋतु की शुरूआत होती है, जब पेड़-पौधों में नए पत्ते और फूल खिलते हैं। वातावरण में उत्साह का संचार होता है। इसका खगोलीय महत्व है, जिसका विस्तार से वर्णन भारतीय शास्त्रीय परंपरा में है।

वर्ष प्रतिपदा एक खगोलीय गणना है, जो ब्रह्मांडीय घटनाओं से जुड़ा हुआ है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को पृथ्वी सूर्य के चारों ओर एक पूर्ण चक्र पूरा करती है। इस दिन दिन-रात बराबर होते हैं, जो संतुलन और नए जीवन का प्रतीक है। इसके अतिरिक्त भारत में अनेक ऐतिहासिक घटनाएं हैं जो इस दिन से जुड़ी है, जो सामाजिक और राष्ट्रीय जीवन को प्रेरणा देती है। राजा विक्रमादित्य ने इसी दिन विक्रम संवत की स्थापना की थी। भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक भी इसी दिन हुआ था। यह सिखों के दूसरे गुरु श्रीअंगद देव जी का जन्मदिन भी है। स्वामी दयानन्द सरस्वती ने इसी दिन आर्य समाज की स्थापना की थी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉक्टर केशवराव बलिराम हेडगेवार का जन्म भी इसी दिन हुआ था।

राजस्थान के इतिहास की बात करें तो इसे पहले राजपूताना के नाम से जाना जाता था। तब यहाँ अनेक रियासतें थीं, जिन्हें मिलाकर यह राज्य बना। राजस्थान का एकीकरण 7 चरणों में पूरा हुआ। इसकी शुरूआत 18 अप्रैल 1948 को अलवर, भरतपुर, धौलपुर और करौली रियासतों के विलय से हुई। विभिन्न चरणों में रियासतें जुड़ती गईं तथा अन्त में 1949 में वर्ष प्रतिपदा (30 मार्च) के दिन जोधपुर, जयपुर, जैसलमेर और बीकानेर रियासतों के विलय से वृहत्तर राजस्थान संघ बना। इसे ही राजस्थान स्थापना दिवस कहा जाता है। इसमें सरदार वल्लभभाई पटेल की सक्रिय भूमिका थी। वे सरकार की विलय योजना के अंतर्गत विभिन्न रियासतों को भारतीय संघ में शामिल करने का काम कर रहे थे।

राजस्थान सरकार का राजस्थान स्थापना दिवस को वर्ष प्रतिपदा पर मनाने का निर्णय ऐतिहासिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक रूप से पूर्णतः उचित है। यह केवल एक तिथि परिवर्तन नहीं बल्कि राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान, स्वाभिमान और गौरवशाली परंपराओं को पुनर्स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सरदार पटेल के शब्दों को याद रखते हुए, यह कहा जा सकता है कि यह निर्णय राजस्थान को गौरवशाली अतीत से जोड़ते हुए उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाएगा।

पुनश्चः जन्म कुंडली और विवाह जैसे महत्वपूर्ण संस्कार हम ग्रह-नक्षत्रों की दिशा पर आधारित तिथियों के अनुसार तय करते हैं लेकिन अपनी सुविधा के लिए उनकी वर्षगांठ के लिये ग्रेगोरियन कैलेंडर पर निर्भर हो जाते हैं।

(लेखक भारतीय सूचना सेवा के अधिकारी हैं।)

Page-05_Layout 1 3/23/2025 3:20 AM Page 1

कला केंद्र को प्रदर्शन, दृश्य कला के केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा : मुख्य सचिव

दिव्य भारत संवाददाता

जम्मू। मुख्य सचिव, अटल डुल्लू ने आज घोषणा की कि कला केंद्र को जम्मू और कश्मीर में प्रदर्शन और दृश्य कला के एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने पहचान के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में संस्कृति को प्राथमिकता देने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने जम्मू और कश्मीर के लिए एक अच्छी तरह से परिभाषित सांस्कृतिक नीति तैयार करने पर प्रकाश डाला।

कला केंद्र, जम्मू में एक कला प्रदर्शनी को संबोधित करते हुए, जिसे कला केंद्र सोसाइटी, जम्मू और कश्मीर कला, संस्कृति और भाषा अकादमी और अमर महल संग्रहालय और पुस्तकालय, जम्मू द्वारा तवी महोत्सव -2025 के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था, मुख्य सचिव ने खुलासा किया कि क्षेत्र के बहुमुखी कलाकारों, लेखकों और कलाकारों को प्रोत्साहित करने और उन्हें मान्यता देने के लिए एक पुरस्कार योजना को अंतिम रूप दिया गया है।

कार्यक्रम में एक प्रतिष्ठित पैनल ने भाग लिया, जिसमें संजीव वर्मा, आयुक्त सचिव, संस्कृति और समाज कल्याण; डॉ जावेद राही, सचिव, कला केंद्र; के.के. सिद्ध, निदेशक, अभिलेखागार, पुरातत्व और संग्रहालय; प्रख्यात कला इतिहासकार डॉ. ललित गुप्ता और अमर महल संग्रहालय एवं पुस्तकालय के संयुक्त निदेशक कर्नल (सेवानिवृत्त) मित्रा। इस अवसर पर बोलते हुए संजीव वर्मा ने कहा कि संस्कृति विभाग जम्मू-कश्मीर की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार केंद्र शासित प्रदेश में सांस्कृतिक गतिविधियों को समर्थन और बढ़ाने के लिए विभिन्न पहल और योजनाएं शुरू करेगी।

डॉ. जावेद राही ने अपने संबोधन में कहा कि कला प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य जम्मू-कश्मीर भर के 100 कलाकारों की पेंटिंग, मूर्तियां और अन्य कलात्मक अभिव्यक्तियों को एक साथ लाना है। उन्होंने यह भी कहा कि अकादमी के संग्रह से एक बड़ा संग्रह जनता की सराहना के लिए प्रदर्शित किया गया था। प्रदर्शनी में गोकल डेम्बी, सुमन गुप्ता, विनोद चोपड़ा, सरिष्टी सेहनी, के.के. गांधी, भेशंबर मेहता, मिलन शर्मा, राकेश शर्मा, ओ.पी. शर्मा, संजीव राणा, संगीता सहित कई प्रसिद्ध कलाकार शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन आईएमएफए की कला शिक्षिका रचिता गुप्ता ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन कर्नल (सेवानिवृत्त) मित्रा ने किया।

कला केंद्र को प्रदर्शन, दृश्य कला के केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा मुख्य सचिव।

पूर्व मेयर राजिन्दर शर्मा ने उपराज्यपाल से मुलाकात की।

मुख्य सचिव ने भविष्य के लिए तैयार शासन के लिए सीआईटीएजी का लाभ उठाने का समर्थन किया

दिव्य भारत संवाददाता

जम्मू। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज जम्मू-कश्मीर में इसके कामकाज की समीक्षा के लिए सेंटर फॉर इनोवेशन, टेक्नोलॉजी एडॉप्शन एंड गवर्नेंस की अधिकार प्राप्त समिति की बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान, डुल्लू ने सीआईटीएजी को सरकार के साथ आईआईटी, आईआईएम और एम्स जैसे प्रमुख संस्थानों के बीच समन्वय को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में उजागर किया। उन्होंने भविष्य की मांगों के अनुरूप शासन मॉडल विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि जम्मू-कश्मीर तकनीकी प्रगति में सबसे आगे रहे। उन्होंने तात्कालिकता व्यक्त करते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बायोइंजीनियरिंग, जलवायु परिवर्तन और क्वांटम कंप्यूटिंग में तेजी से विकास के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, यदि हम इन परिवर्तनों के अनुकूल नहीं बन पाते हैं, तो हम पीछे रह जाएंगे और हमें कोई दोष नहीं देना होगा। उन्होंने आगे जोर दिया कि शारीरिक, जैविक और पर्यावरणीय चिंताओं को दूर करने के लिए समाधान उपलब्ध हैं, लेकिन महत्वपूर्ण बात प्रासंगिक प्रौद्योगिकियों को अपनाना है। उन्होंने योजना, विकास और निगरानी विभाग (पीडी एंड एमडी) से शासन अंतराल को पाटने के लिए तकनीकी समाधान तलाशने का आग्रह किया।

व्यावहारिक अनुप्रयोगों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि एआई दूरदराज के क्षेत्रों में डॉक्टरों को रोगियों का सटीक निदान करने और शिक्षकों को व्यक्तिगत शिक्षण हस्तक्षेप प्रदान करने में सक्षम बना सकता है। सीआईटीएजी की प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए डुल्लू ने अधिकारियों को इसके वर्टिकल को पूरी तरह से चालू करने और इस ढांचे के तहत बेहतर ढंग से काम करने के लिए सरकारी अधिकारियों की क्षमता को मजबूत करने का निर्देश दिया।

अब तक की प्रमुख उपलब्धियों और प्रगति के बारे में आयुक्त सचिव, पीडी एंड एमडी, तलत परवेज रोहेला ने बताया कि सार्वजनिक निजी भागीदारी और राज्य परिवर्तन पहलों की देखरेख के लिए पीडी एंड एमडी के महानिदेशक के नेतृत्व में एक समर्पित सीआईटीएजी सेल की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने सीआईटीएजी की पहलों के लिए 2.18 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जबकि अगले वित्त वर्ष के लिए 7.61 करोड़ रुपये का वार्षिक बजट प्रस्तावित है। क्षमता निर्माण के बारे में उन्होंने बैठक में बताया कि प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए हैं, जिसमें 197 अधिकारियों को शासन परिवर्तन में कौशल प्रदान किया गया है।

उन्होंने कहा कि आने वाले महीनों में 200 अतिरिक्त अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। आईआईएम जम्मू के निदेशक प्रोफेसर बीएस सहाय ने प्राथमिकता के आधार पर सुझाव देने के अलावा इस केंद्र के कामकाज को और सुव्यवस्थित करने की योजना के बारे में भी बताया। उन्होंने बताया कि सी आई टी एजी के लिए भर्ती प्रक्रिया को पूरा करने के लिए भर्ती अभियान शुरू करने की योजना बनाई जा रही है, जिसमें एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी और डोमेन विशेषज्ञों का चयन भी शामिल है। उन्होंने भविष्य के लिए तैयार शासन के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल का खुलासा किया, जिसमें एआई और डिजिटल शासन, सार्वजनिक सेवाओं में ब्लॉकचेन एप्लिकेशन, नीति विकास के लिए बड़ा डेटा, साइबर सुरक्षा और जोखिम प्रबंधन, शासन में नेतृत्व और डिजिटल परिवर्तन जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं। यह भी बताया गया कि पर्यटन, शिक्षा, कृषि और शहरी नियोजन में उन्नति पर ध्यान केंद्रित करने वाला राज्य परिवर्तन संस्थान भी जल्द ही एक वास्तविकता बनने जा रहा है।

पीपीपी परियोजनाओं के कार्यान्वयन के संबंध में, बैठक में बताया गया कि दो सार्वजनिक-निजी भागीदारी परियोजनाओं के लिए बोली प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

इसके अलावा, यह भी कहा गया कि आठ परियोजनाओं के लिए व्यवहार्यता अध्ययन पूरा करने के अलावा चार पहलों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया गया है। यह भी सुझाव दिया गया कि केंद्र में पेशेवरों की कमी को दूर करने के लिए यह योजना बनाई जा रही है कि शासन अनुसंधान परियोजनाओं में शामिल छात्रों को मासिक वजीफा प्रदान करने वाला एक छात्र इंटर्नशिप कार्यक्रम हो।

पीओके प्रशासन ने लड़का-लड़की के शव भारतीय अधिकारियों को सौंपे

बारामुला, (हि.स.)। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) प्रशासन ने शनिवार को उडी में कमान पोस्ट पुल के जरिए दो व्यक्तियों (लड़का और लड़की) के शव भारतीय अधिकारियों को सौंपे।

अधिकारियों ने बताया कि दोनों ने करीब 18 दिन पहले झेलम नदी में छलांग लगा दी थी। मृतकों की पहचान उडी के बुसग्रान निवासी मूज अली शाह के बेटे यासिर हुसैन शाह और उडी के कुंडी बरजाला निवासी मोहबत खान की बेटी आसिया बानो के रूप में हुई है। एक अधिकारी ने बताया कि लड़के का शव 20 मार्च को नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास कमान पोस्ट के नजदीक नदी में देखा गया था।

अधिकारी ने बताया कि पुलिस और बचाव दल ने उसे निकालने का प्रयास किया लेकिन तेज बहाव के कारण शव बहकर सीमा के दूसरी ओर चला गया। लड़के का शव आखिरकार गुरुवार शाम को चिनारी से बरामद किया गया जबकि लड़की का शव पहले ही नियंत्रण रेखा के दूसरी ओर चला गया था और 19 मार्च को छतर में बरामद किया गया। अधिकारियों ने यह भी बताया कि इस मामले को नियंत्रण रेखा के दूसरी ओर के प्रशासन के समक्ष उठाया गया है। आज उडी के कमान पोस्ट पर एक बैठक आयोजित की गई जिसमें एसडीपीओ उडी, एसएचओ उडी, डॉक्टरों की टीम, भारतीय सेना और मृतकों के माता-पिता और दूसरी ओर के उनके समकक्षों सहित उडी प्रशासन के अधिकारी मौजूद थे।

अधिकारी ने बताया कि उडी प्रशासन को अब दोनों शव मिल गए हैं जो नियंत्रण रेखा के पार बह गए थे। उन्होंने बताया कि चिकित्सकीय-कानूनी औपचारिकताओं के बाद शवों को उनके परिवारों को सौंप दिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि 5 मार्च को नियंत्रण रेखा के पास दुलांजा गांव में झेलम नदी में कूदने के बाद से यह दोनों दो सप्ताह से अधिक समय से लापता थे।

जल शक्ति विभाग ने सांबा में मनाया विश्व जल दिवस

दिव्य भारत संवाददाता

सांबा। विश्व जल दिवस के वैश्विक पालन के उपलक्ष्य में, जल शक्ति विभाग सांबा ने आज जल संरक्षण के महत्व के बारे में जनता को शिक्षित करने के उद्देश्य से जागरूकता शिविरों की एक श्रृंखला आयोजित की। यह कार्यक्रम जिले भर में विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया गया और इसमें स्थानीय निवासियों और सरकारी अधिकारियों ने भाग लिया।

विश्व जल दिवस, जो हर साल 22 मार्च को मनाया जाता है, मीठे पानी के महत्वपूर्ण महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन की वकालत करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित एक दिन है। विश्व जल दिवस 2025 का विषय परिवर्तन में तेजी लाना है, जो जल चुनौतियों का समाधान करने और संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य 6 को प्राप्त करने की तत्काल आवश्यकता पर केंद्रित है, जो 2030 तक सभी के लिए पानी और स्वच्छता तक पहुंच सुनिश्चित करता है। जल शक्ति विभाग द्वारा आयोजित जागरूकता शिविरों में कुशल जल प्रबंधन की आवश्यकता, पानी की कमी के प्रभाव और पानी के संरक्षण के लिए उठाए जा सकने वाले व्यावहारिक कदमों पर इंटरैक्टिव चचाएँ और सूचना-साझा गतिविधियाँ शामिल थीं।

प्राचीन काल से ही बिहार अपनी आध्यात्मिकता, समृद्ध इतिहास और जीवंत संस्कृति के लिए जाना जाता रहा है : मनोज सिन्हा

दिव्य भारत संवाददाता

- **शिक्षा, संस्कृति, विज्ञान, साहित्य, उद्यम से लेकर अध्यात्म तक, जीवन का शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र हो, जहां बिहार के लोगों ने अपने नवोन्मेषी विचारों और कड़ी मेहनत से अपनी छाप न छोड़ी हो**
- **मगध बिहार का मुख्य हिस्सा था, जिसे शिक्षा और संस्कृति के केंद्र के रूप में जाना जाता था**
- **भारत के पहले साम्राज्य, बिहार में मौर्य साम्राज्य ने एक अखंड भारत की स्थापना की**
- **नालंदा विश्वविद्यालय का पुस्तकालय, जिसे बर्बर आक्रमणकारी बख्तियार खिलजी ने 1193 में नष्ट कर दिया था, दुनिया का सबसे बड़ा पुस्तकालय माना जाता था**
- **अगर हम आजादी के बाद बिहार के इतिहास को देखें, तो यह देश के सबसे विकसित राज्यों में से एक था**

जम्मू। उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा जम्मू में जम्मू कश्मीर राजभवन द्वारा आयोजित बिहार दिवस समारोह में शामिल हुए।

उपराज्यपाल ने इस अवसर पर बिहार के लोगों को अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उपराज्यपाल ने कहा, प्राचीन काल से ही बिहार अपनी आध्यात्मिकता, समृद्ध इतिहास और जीवंत संस्कृति के लिए जाना जाता रहा है। मगध बिहार का मुख्य भाग था, जिसे शिक्षा और संस्कृति के केंद्र के रूप में जाना जाता था। भारत के पहले साम्राज्य, बिहार में मौर्य साम्राज्य ने एक अखंड भारत की स्थापना की। शिक्षा, संस्कृति, विज्ञान, साहित्य, उद्यम से लेकर अध्यात्म तक, जीवन का शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र हो, जहां बिहार के लोगों ने अपने अभिनव विचारों और कड़ी मेहनत से अपनी छाप न छोड़ी हो।

उपराज्यपाल ने सभा को संबोधित करते हुए बिहार की सांस्कृतिक, शैक्षिक और आध्यात्मिक विरासत पर प्रकाश डाला और राज्य की महान हस्तियों को श्रद्धांजलि दी। उपराज्यपाल ने कहा, बाबा बैजनाथ धाम, गया, विष्णुपद मंदिर, जानकी मंदिर, बोधगया, तख्त श्री हरिमंदिर साहिब जी, कुंडग्राम, पावापुरी जैसे अनेक पवित्र स्थलों का एक ही राज्य में होना अपने आप में किसी दैवीय वरदान से कम नहीं है। प्राचीन काल में बिहार उच्च शिक्षा का प्रमुख केंद्र बन चुका था। नालंदा विश्वविद्यालय और विक्रमशिला विश्वविद्यालय में दुनिया भर से छात्र अध्ययन के लिए आते थे। नालंदा विश्वविद्यालय का पुस्तकालय दुनिया का सबसे बड़ा पुस्तकालय माना जाता था। बौद्ध धर्म के तीर्थ स्थलों की एक लंबी सूची है, जिसमें बोधगया, राजगीर और गृद्धकूट शामिल हैं, जहां महात्मा बुद्ध ने अपने अधिकांश उपदेश दिए थे। साहित्य के क्षेत्र में भी बिहार को सबसे समृद्ध राज्यों में से एक माना जाता है। चाणक्य, बाणभट्ट, आर्यभट्ट, विद्यापति से लेकर आधुनिक काल में फणीश्वरनाथ रेणु, रामधारी सिंह दिनकर और बाबा नागार्जुन तक, बिहार महान लेखकों की कर्मभूमि रहा है। उपराज्यपाल ने बिहार की विकास यात्रा और भारत के विकास में इसके योगदान पर भी बात की।

अगर हम आजादी के बाद बिहार के इतिहास को देखें तो यह देश के सबसे विकसित राज्यों में से एक था। पहली पंचवर्षीय योजना का मसौदा जुलाई 1951 में तैयार किया गया था। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि उस अवधि के दौरान, देश में केवल तीन क्षेत्र छोटे उद्योगों के लिए आवश्यक प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और उद्योग और श्रमिकों के बेहतर प्रबंधन प्रदान करने में सर्वश्रेष्ठ थे और वे थे - बिहार, मुंबई और चेन्नई।

कई दशकों से, बिहार ने बड़ी संख्या में आईएएस, आईपीएस और अन्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को तैयार करने की गौरवशाली परंपरा को बनाए रखा है, जिन्होंने राष्ट्र निर्माण में बहुत बड़ा योगदान दिया है और कई पीढ़ियों को प्रेरित किया है, उपराज्यपाल ने कहा। उपराज्यपाल ने उम्मीद जताई कि बिहार के लोग विकसित बिहार और विकसित भारत के लिए समर्पित रूप से काम करना जारी रखेंगे।

उपराज्यपाल ने कहा, बिहार एक बार फिर 21वीं सदी में जीवंत हो गया है। आज बिहार न केवल विकसित भारत में एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभरा है, बल्कि औद्योगिक विकास के मामले में भी विकसित राज्यों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है। मैं इस धन्य भूमि के लोगों के अच्छे स्वास्थ्य, कल्याण और समृद्धि के लिए प्रार्थना करता हूं। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुख,छात्र और शिक्षक उपस्थित थे।

जल शक्ति विभाग ने सांबा में मनाया विश्व जल दिवस।

Page-06_Layout 1 3/23/2025 12:44 AM Page 1

नेपाल में राजनीतिक दलों के चंदा लेने पर रोक का प्रस्ताव

काठमांडू, (हि.स.)। नेपाल निर्वाचन आयोग ने संसद को चुनाव संबंधी कानून में व्यापक फेरबदल की सलाह देते हुए राजनीतिक दलों के किसी भी प्रकार के चंदा लेने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव किया है। नए प्रस्तावित कानून में कहा गया है कि सरकार ही चुनाव खर्च का प्रबंधन करे। प्रमुख निर्वाचन आयुक्त दिनेश थपलिया ने इसकी पुष्टि की है। संसद की राज्य व्यवस्था संसदीय समिति के समक्ष आयोग के पदाधिकारियों ने इस संबंध में आज चुनाव संबंधी कानून में संशोधन विधेयक पर अपना पक्ष रखा। साथ ही विधेयक को संसद में पेश करने का आग्रह किया। समिति के समक्ष प्रमुख निर्वाचन आयुक्त थपलिया ने कहा कि राजनीतिक दलों को किसी भी व्यक्ति, संस्था, व्यापारी या अन्य किसी से भी आर्थिक सहायता लेने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। सभी राजनीतिक दलों का चुनाव खर्च के लिए निर्धारित धन सरकार उपलब्ध कराए, जिससे चुनाव के दौरान होने वाले धन के दुरुपयोग पर अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने चुनाव में धन के दुरुपयोग को रोकने के लिए आयोग को और अधिक अधिकार देने का भी प्रस्ताव किया है। इसके अलावा निर्वाचन आयोग ने पूरे कार्यकाल में किसी भी सांसद को दल विभाजन का अधिकार नहीं देने का भी प्रस्ताव किया गया है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र रूप से निर्वाचित होकर आने वाले सांसदों को पूरे कार्यकाल के दौरान किसी भी राजनीतिक दल में सहभागी होने पर भी प्रतिबंध लगाया जाए। हालांकि पार्टी की आधिकारिक केंद्रीय समिति के 40 प्रतिशत सदस्य और उस दल के संसद में निर्वाचित कुल सांसदों की संख्या के 40 प्रतिशत सांसदों द्वारा एक साथ आग्रह करने के बाद नए दल की मान्यता देने का प्रस्ताव भी रखा गया है। थपलिया का मानना है कि जनता के मत का सम्मान करने के लिए भी दल विभाजन और दल बदल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। आयोग ने प्रत्यक्ष चुनाव में 33 प्रतिशत महिलाओं की उम्मीदवारी अनिवार्य करने, समावेशी सिद्धांत को लागू करने के लिए आदिवासी, जनजाति, अल्पसंख्यक, दलित को भी प्रत्यक्ष निर्वाचन में सहभागी कराने का प्रस्ताव किया है।

लंदन का हीथ्रो एयरपोर्ट 18 घंटे बाद खुला

लंदन। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में हीथ्रो एयरपोर्ट 18 घंटे बाद खुल गया। ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट यहां पर लैंड हुई। दरअसल एयरपोर्ट के पास एक इलेक्ट्रिकल सबस्टेशन में गुरुवार रात आग लग गई थी। जिससे एयरपोर्ट का ऑपरेशन बंद करना पड़ा था। बंद के चलते 1350 फ्लाइट्स सस्पेंड हुई, जिनसे 2 लाख 91 हजार पैसेंजर्स प्रभावित हुए। आग वेस्ट लंदन के हेस में लगी थी। इस वजह से 5 हजार से ज्यादा घरों की बिजली गुल हुई।

टोक्यो में 11वीं त्रिपक्षीय विदेश मंत्री बैठक (जापान-चीन-आरओके) के दौरान कैमरों के लिए पोज देते विदेश मंत्री वांग यी, जापानी विदेश मंत्री ताकेशी इवाया और दक्षिण कोरियाई विदेश मंत्री चो ताए-युल।

इंडोनेशिया के ज्वालामुखी विज्ञान और भूवैज्ञानिक आपदा न्यूनीकरण केंद्र द्वारा प्रदान की गई इस तस्वीर में इंडोनेशिया के पूर्वी नुसा तेंगारा प्रांत के पूर्वी फ्लोरेस में माउंट लेवोटोबी लाकी-लाकी से ज्वालामुखी सामग्री निकलती हुई दिखाई दे रही है।

बॉक्सिंग के बादशाह जॉर्ज फोरमैन का 76 साल की आयु में निधन

वाशिंगटन, (हि.स.)। हैवीवेट बॉक्सिंग चैंपियन और ग्रिलिंग के दिग्गज जॉर्ज फोरमैन का 76 साल की आयु में शुक्रवार को निधन हो गया। उन्होंने 45 साल की उम्र में असंभव को संभव में बदलकर खिताब वापस पाने के लिए वापसी की। उन्होंने अकूत पैसा कमाया। उनके परिवार ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर उनकी मृत्यु की घोषणा की। परिवार ने इसके लिए कोई कारण नहीं बताया है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, फोरमैन 10 साल दूर रहने के बाद जब रिंग में लौटे तो संदेह था कि उनके जैसे उम्र के फाइटर किसी भी युवा फाइटर को हरा सकते हैं। 1994 में उन्होंने अपराजित माने जाने वाले माइकल मूरर को हराकर विश्व खिताब हासिल कर बॉक्सिंग की दुनिया को चौंका दिया। लास एजेंल्स टाइम्स अखबार के अनुसार, जॉर्ज फोरमैन रंबल इन द जंगल हैवीवेट चैम्पियनशिप फाइट में मोहम्मद अली से मुकाबला किया था। जॉर्ज लीन मीन इलेक्ट्रिक ग्रिल को बढ़ावा देने में इतने सफल रहे कि एक पूरी पीढ़ी उन्हें टेलीविजन ग्रिल वाले व्यक्ति के रूप में पहचानती हुई बड़ी हुई। उन्होंने अपने 81 मुकाबलों में से 76 में जीत हासिल की। जॉर्ज ने इनमें 68 मुकाबलों में नॉकआउट रहे।

उन्होंने पांच शादी की। इनसे 12 बच्चे हुए। उन्होंने अपने सभी पांच बेटों का नाम जॉर्ज रखा। काफी पहले उन्होंने अपनी वेबसाइट पर स्पष्ट किया था, मैंने अपने सभी बेटों का नाम जॉर्ज एडवर्ड फोरमैन रखा, ताकि उनमें हमेशा कुछ न कुछ समानता रहे। मैं उनसे कहता हूं कि अगर हममें से कोई ऊपर जाता है, तो हम सब एक साथ ऊपर जाते हैं, और अगर कोई नीचे जाता है, तो हम सब एक साथ नीचे जाते हैं।'

जॉर्ज के जैविक पिता लेरॉय मूरहेड थे। जॉर्ज का बचपन घोर अभाव में बीता। उनके स्कूल के लंच में अकसर मेयोनेद सैंडविच होते थे। उन्होंने स्थिति को सुधारने के लिए दुकानों से सामान चुराया। छात्रों से उगाही की। सड़क पर लोगों को लूटा। उन्होंने एक बार कहा था कि उनका लक्ष्य जेल जाना था। इसके बाद अपने गृहनगर ह्यूस्टन में सबसे भयंकर गिरोह बनाना था।

बड़े होने पर जॉर्ज ने शौकिया तौर पर मुक्केबाजी को चुना और प्रशिक्षण के लिए बे एरिया चले गए। उन्होंने शौकिया रैंक के माध्यम से आगे बढ़ते हुए 1968 में मैक्सिको सिटी में ग्रीष्मकालीन ओलंपिक के लिए अर्हता प्राप्त की।

उन्होंने सोवियत संघ के लिए लड़ रहे लिथुआनियाई जोनास सेपुलिस को स्वर्ण पदक हेवीवेट मैच में 10 राउंड तक खून से लथपथ किया। रेफरी के लड़ाई रोकने पर उन्होंने जीत हासिल की।फोरमैन ने एक लघु अमेरिकी ध्वज लहराते हुए रिंग के चारों ओर परेड की।

फोरमैन ने पूर्व हेवीवेट चैंपियन सोनी लिस्टन के साथ मुकाबला किया। जब वह पेशेवर बने तो लिस्टन की प्रबंधन टीम के साथ से जुड़ गए। फोरमैन ने जनवरी 1973 में किंग्स्टन, जमैका में चैंपियन जो फ्रेजियर के खिलाफ मुकाबला करते हुए हैवीवेट डिवीजन में जगह बनाई थी। उन्होंने फ्रेजियर को गिराया और हॉवर्ड कॉसेल के उत्साहित आह्वान के बीच दूसरे राउंड में तकनीकी नॉकआउट पर जीत हासिल की।

वह रिंग में पूर्व चैंपियन मोहम्मद अली से भी भिड़े। अली ने 1960 के दशक के मध्य में हैवीवेट डिवीजन पर अपना दबदबा बनाया था। वियतनाम युद्ध के दौरान अमेरिकी सैन्य मसौदे का जवाब देने से इनकार करने के बाद उनसे खिताब छीन लिए गए और उन्हें मुक्केबाजी से प्रतिबंधित कर दिया गया। तमाम झंझावात का मुकाबला करते हुए उन्होंने 1974 में शानदार वापसी की। साल 2022 में उन पर दो महिलाओं ने यौन शोषण का आरोप भी जड़ा। जीवन के अंतिम वर्षों में फोरमैन और उनकी पत्नी मैरी टेक्सास के हफमैन में अपना आशियाना (45 एकड़ परिसर) बनाया। यहां बास्केटबॉल और टेनिस कोर्ट के साथ 38 कारों से भरा एक गैरेज था। सप्ताहांत में दोनों पास के मार्शल में अपने खेत में जाते और घुड़सवारी करने के साथ मवेशियों की देखभाल करते थे।

बलूचिस्तान में बंद के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने किया जुल्म

इस्लामाबाद, (हि.स.)। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में बलूच यकजेहती समिति (बीवाईसी) के आह्वान पर आज की हड़ताल का बड़ा असर पड़ा है। सुबह से दुकानें बंद हैं। कुछ जिलों में आगजनी की घटनाएं भी हुई हैं। क्वेटा में कल (शुक्रवार) रात से मोबाइल सेवाएं निलंबित हैं। इससे पहले गुरुवार को डेटा सेवाएं बंद कर दी गई थीं। बीवाईसी ने दावा किया कि उसके प्रमुख नेताओं एवं अन्य प्रदर्शनकारियों को आज सुबह क्वेटा में धरनास्थल से पुलिस और सुरक्षाबलों ने गिरफ्तार कर लिया। सुरक्षाबल सुबह 5:30 बजे पहुंचे। उन्होंने बलूच महिलाओं, बच्चों और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के साथ हिंसा की।

पाकिस्तान के प्रमुख अखबार डान की खबर में 'फलों का बगीचा' के नाम से मशहूर क्वेटा और अन्य जिलों के ताजा सूरत-ए-हाल पर विस्तार पर चर्चा की दई है। बलूच यकजेहती समिति पाकिस्तान में मानवाधिकारों के उल्लंघन का डेटा भी एकत्र करती है। बलूचिस्तान में हो रहे मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाओं के कारण ही समिति संघीय और राज्य सरकार के खिलाफ आंदोलन छेड़ा है। खबर के अनुसार, प्रांतीय राजधानी क्वेटा में समिति के सदस्यों को पुलिस दमन का सामना करना पड़ा। समिति के सदस्य जबरन उठा लिए लोगों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे।

बलूचिस्तान सरकार का कहना है कि शुक्रवार को आंदोलन के दौरान पुलिस के 10 जवान घायल हो गए। बीवाईसी ने दावा किया कि पुलिस दमन में उसके तीन सदस्य मारे गए। 13 अन्य घायल हुए। बीवाईसी के मुख्य आयोजक डॉ. महरंग बलूच ने शुक्रवार देररात पुलिस दमन के खिलाफ पूरे प्रांत में बंद का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शनिवार को चक्का जाम किया जाएगा। मारे गए लोगों के शवों के साथ क्वेटा के सरियाब रोड पर धरना दिया जाएगा। समिति ने कहा कि आज सुबह धरनास्थल से मारे गए लोगों के शव सुरक्षाबल छीनकर ले गए। प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया। बीवाईसी ने चगाई जिले के दलबंदिन शहर के साथ-साथ खुजदार, वाशुक और सुरब जिलों में बंद दुकानों और सड़कों की तस्वीरें साझा कीं। इन जिलों के मस्तुंग, डेरा मुराद जमाली और तुर्बत में प्रदर्शनकारी सड़कों को अवरुद्ध करने के लिए टायर जलाते नजर आ रहे हैं।

समिति ने दावा किया है कि धरनास्थल पर धावा बोलने के बाद डॉ. महरंग बलूच समेत कई अन्य लोगों को घसीटते हुए ले जाकर गिरफ्तार कर लिया गया।

नेपाल सरकार की फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम पर प्रतिबंध लगाने की चेतावनी

काठमांडू, (हि.स.)। नेपाली सरकार ने विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म- फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम को पत्र लिखकर चेतावनी दी है कि अगर वे एक महीने में पंजीकरण करने में विफल रहते हैं तो इन तीनों पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा।

संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने शनिवार को एक नोटिस जारी करते हुए अपंजीकृत प्लेटफार्मों को सोशल मीडिया दिशानिदेर्शों के खंड 3, उप-खंड (7) के तहत प्रतिबंधों का सामना करने की चेतावनी दी है। नोटिस को लेकर सरकार के प्रवक्ता पृथ्वी सुब्बा गुरुंग ने बताया कि बार-बार सभी सोशल मीडिया साइट्स को पंजीकरण का आग्रह किया गया था जिसके बाद अब तक सिर्फ वाइबर और टिकटॉक ने नेपाल में पंजीकरण करवाया है। गुरुंग ने कहा कि यह अंतिम बार एक महीने का नोटिस दिया गया है। यदि इस बार भी इन प्लेटफार्मों का पंजीकरण नहीं कराया जाता है तो नेपाल में इसके उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। फेसबुक, एक्स, टिकटॉक और लिंक्डइन जैसे प्लेटफार्मों से सोशल मीडिया उपयोग विनियमन दिशानिदेर्शों का पालन करने का बार-बार आग्रह किया गया है।

इसके अतिरिक्त सरकार ने संसद में एक सोशल मीडिया विधेयक पेश कर सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्मों को कानून के अधिनियमन के छह महीने के भीतर सोशल मीडिया विभाग के साथ पंजीकरण करना होगा। अनुपालन में विफल रहने पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। विधेयक में साइबरबुलिंग, हैकिंग और गलत सूचना जैसे अपराधों के उल्लंघन के लिए पांच साल तक की जेल की सजा के साथ-साथ 5 लाख रुपये तक का जुमार्ना भी शामिल है।

इजराइल ने गाजा में हमास की सैन्य खुफिया इकाई प्रमुख ओसामा तबाश को मार गिराया

गाजा पट्टी, (हि.स.)। इजराइली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने दक्षिणी गाजा में आतंकी समूह हमास को तहस-नहस करने के अपने अभियान के दौरान उसके सैन्य खुफिया इकाई के प्रमुख ओसामा तबाश को मार गिराया। तबाश हमास में विभिन्न वरिष्ठ पदों पर पदस्थ रहा है। उसे खान यूनिस ब्रिगेड में बटालियन कमांडर भी बनाया गया था।

आईडीएफ ने एक्स हैंडल पर यह घोषणा करते हुए बताया कि तबाश हमास की युद्ध रणनीति तैयार करता रहा है। आईडीएफ ने एक्स पोस्ट में ओसामा तबाश का फोटो भी जारी किया है। इस बीच द टाइम्स अखबार की एक खबर के अनुसार आतंकी समूह हूती ने इजराइल को उसके बेन गुरियन हवाई अड्डा को निशाना बनाने की धमकी दी है। हूती ने कहा कि गाजा के खिलाफ इजराइली आक्रामकता का बदला लिया जाएगा। एक अन्य खबर के अनुसार, आईडीएफ ने सीरियाई सैन्य हवाई अड्डों पर हवाई हमला किया है।

द टाइम्स ऑफ इजराइल की खबरों में कहा गया है कि कुछ समय पहले लेबनान से मेटुला के उत्तरी सीमावर्ती समुदाय पर तीन रॉकेट दागे गए।

आईडीएफ ने दावा किया है कि तीनों रॉकेटों को उसकी हवाई सुरक्षा इकाई ने रोक दिया। किसी के घायल होने या नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं है। इस हमले की अभी तक किसी आतंकी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है।

आईडीएफ ने अपनी वेबसाइट पर आज कहा कि गाजा पट्टी से वापस लौटे बंधक हिशाम अल-सईद को इजराइली वायु सेना के हेलीकॉप्टर से अस्पताल भेजा जा रहा है। वहां वह अपने परिवार के सदस्यों से मिलेंगे और उन्हें चिकित्सा उपचार मिलेगा। इसके अलावा वापस लौटने वाले दो बंधकों- एलिया कोहेन और ओमर शेम टोव को भी इजरायली वायुसेना के हेलीकॉप्टरों से अस्पताल भेजा गया है।

लंदन में आग के कारण बंद हीथ्रो एयरपोर्ट से उड़ानों का संचालन शुरू

लंदन, (हि.स.)। इंग्लैंड में पश्चिमी लंदन के हेस में हीथ्रो एयरपोर्ट को बिजली आपूर्ति करने वाले एक बिजली सब स्टेशन में गुरुवार देररात लगी आग को काफी हद तक बुझा दिया गया है। आग के कारण शुक्रवार को बंद किए गए हीथ्रो एयरपोर्ट में कामकाज पटरी पर लौटने लगा है। हीथ्रो एयरपोर्ट पर उड़ानें फिर शुरू हो गई हैं। अधिकारियों ने उम्मीद जताई है कि शनिवार को स्थिति पूरी तरह सामान्य हो जाएगी। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शुक्रवार को उड़ाने रोक देने से लगभग 200,000 यात्री प्रभावित हुए। आने वाले विमानों को यूरोप के अन्य एयरपोर्ट पर भेजा गया, क्योंकि गुरुवार शाम को पश्चिमी लंदन के हेस में नॉर्थ हाइड प्लांट में आग लग गई थी। हीथ्रो एयरपोर्ट के मुख्य कार्यकारी थॉमस वोल्डबाय ने असुविधा के लिए यात्रियों से माफी मांगी है। ब्रिटिश एयरवेज ने घोषणा की कि शुक्रवार शाम हीथ्रो एयरपोर्ट से आठ लंबी दूरी की उड़ानों को जाने की अनुमति दी गई। इन उड़ानों के यात्रियों को सूचित किया गया है। साथ ही उड़ानों पर प्रतिबंध अस्थायी रूप से हटा दिए गए हैं। मगर, यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे नवीनतम अपडेट के लिए अपनी एयरलाइनों से संपर्क करें। वोल्डबाय ने कहा कि आग लगने से एक बैकअप ट्रांसफॉर्मर ने काम करना बंद कर दिया था। सुरक्षा मानकों के मद्देनजर संपूर्ण सिस्टम को बंद करना पड़ा। ब्रिटिश एयरवेज, एयर कनाडा और यूनाइटेड एयरलाइंस ने घोषणा की कि निर्धारित उड़ानों का संचालन शुरू किया जाएगा है। वोल्डबाय ने कहा कि अब इलेक्ट्रिक बैकअप सिस्टम ठीक से काम कर रहे हैं, लेकिन वे पूरे एयरपोर्ट के सिस्टम के लिए पर्याप्त नहीं हैं।

तुर्की के मालट्या में बर्फ से ढकी सड़क पर चलते लोग। स्थानीय समाचार एजेंसी ने बताया कि भारी बर्फबारी ने तुर्की के मध्य अनातोलिया क्षेत्र और पूर्वी क्षेत्रों को प्रभावित किया है, जिससे परिवहन और दैनिक जीवन बाधित हुआ है।

पोप फ्रांसिस की तबीयत में और सुधार, शुभचिंतकों का प्रार्थना के लिए आभार जताया

वेटिकन सिटी, (हि.स.)। लंबे समय से अस्वस्थ पोप फ्रांसिस की तबीयत में और सुधार हुआ है। वह 14 फरवरी से रोम के गेमेली अस्पताल में भर्ती हैं। उन्हें सांस लेने में तकलीफ होने के कारण ऑक्सीजन सपोर्ट दिया जा रहा है। उन्हें कुछ दिनों तक वेंटिलेटर पर रखा गया। दुनिया भर में उनके जल्द स्वस्थ होने के लिए लोग प्रार्थना कर रहे हैं।

वेटिकन न्यूज की खबर के अनुसार, शुक्रवार शाम को होली सी प्रेस कार्यालय ने पोप के स्वास्थ्य पर संक्षिप्त अपडेट जारी किया। होली सी प्रेस कार्यालय ने कहा, "वे अब रात में मास्क के साथ वेंटिलेशन का उपयोग नहीं कर रहे। उनकी हालत स्थिर जरूर है पर पहले से बहुत अधिक सुधार हुआ है। डॉक्टरों ने अभी तक उन्हें डिस्चार्ज करने के बारे में कोई संकेत नहीं दिया है। पोप फ्रांसिस ने दिन में किसी भी आगंतुक से मुलाकात नहीं की। उन्होंने अपना दिन प्रार्थना, चिकित्सा और अन्य गतिविधियों में बिताया।"

होली सी प्रेस कार्यालय ने पोप फ्रांसिस के शुभचिंतकों के लिए उनका एक और संदेश शुक्रवार को अपनी वेबसाइट पर जारी किया है। इसमें पोप फ्रांसिस ने सभी को धर्मप्रांतीय जयंती तीर्थयात्रा के अवसर पर बधाई दी। वेबसाइट पर जारी बयान के अनुसार, पोप ने कहा, "आपकी सबकी प्रार्थना का असर हुआ है। हालांकि मैं आपके बीच शारीरिक रूप से उपस्थित नहीं हो सकता पर आपकी की जा रही प्रार्थना से मुझे प्रसन्नता हो रही है। इसके लिए मैं आपको आशीर्वाद देता हूं। कृपया, मेरे लिए प्रार्थना करना जारी रखें।"

हम पंजाब किंग्स को सर्वश्रेष्ठ टीम बनाएंगे : रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली, (हि.स.)। हम जीतने के लिए मैदान में उतरेंगे और कोई भी हमसे यह छीन नहीं सकता, यह कहना है पंजाब किंग्स के नए मुख्य कोच रिकी पोंटिंग का, जो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में टीम को खिताबी जीत की ओर ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। विश्व कप विजेता पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने न्यू चंडीगढ़ स्थित न्यू पीसीए स्टेडियम में आयोजित मेटा क्रिएटर्स इवेंट के दौरान अपनी रणनीति और टीम की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की। इस खास इवेंट में डिजिटल जगत के चर्चित नाम, जैसे झुमरू (अरुण सिंह), केशव आशीष, आदित्य शुक्ला और सुकृति शामिल हुए, जिन्होंने आगामी सीजन में टीम की मानसिकता और संभावनाओं को बेहतर ढंग से समझने का प्रयास किया। पंजाब किंग्स के चीफ कॉमर्शियल ऑफि सर सौरभ अरोड़ा ने इस इवेंट की सराहना करते हुए कहा, हम क्रिकेट, संस्कृति और हमारी नई टीम को लेकर डिजिटल क्रिएटर्स को एक मंच पर लाकर गर्व महसूस कर रहे हैं। साथ ही मुल्लांपुर स्थित अत्याधुनिक न्यू पीसीए स्टेडियम का परिचय कराना हमारे समुदाय-निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उन्होंने बताया कि स्टेडियम टूर के जरिए क्रिएटर्स को विश्वस्तरीय सुविधाओं का अनुभव मिला, जो पंजाब किंग्स की मैदान के अंदर और बाहर की उत्कृष्टता को दशार्ता है। पोंटिंग ने स्पष्ट किया कि टीम का प्राथमिक लक्ष्य आईपीएल ट्रॉफी पर कब्जा जमाना है। उन्होंने बताया, धर्मशाला में हमारे ट्रेनिंग कैंप के पहले ही दिन मैंने खिलाड़ियों से कहा कि हम पंजाब किंग्स को सर्वश्रेष्ठ टीम बनाने जा रहे हैं। यह प्रक्रिया रातों-रात नहीं होती, इसे निरंतर मेहनत से तैयार करना होता है।

टीम में विजयी मानसिकता विकसित करने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, जीतना एक मानसिकता है। हमें हर मैच में यह भावना रखनी होगी कि विरोधी हमसे कुछ छीनने आए हैं और हम ऐसा होने नहीं देंगे।

इस सीजन में पंजाब किंग्स की टीम युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के संतुलन के साथ मैदान में उतरने के लिए तैयार है। पोंटिंग ने कुछ युवा खिलाड़ियों की विशेष रूप से प्रशंसा की, जिन्होंने अब तक की ट्रेनिंग में प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, प्रियांश आर्य एक संभावित सलामी बल्लेबाज के रूप में उभर रहे हैं। इसी तरह सूर्यांश शेज भी हमारे प्रशिक्षण सत्र में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।

उन्होंने आगे जोड़ा, मुशीर खान भी एक ऐसा नाम है जिसने अपनी ऊर्जा और जज्बे से मुझे प्रभावित किया है। उसका रवैया टीम के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। पोंटिंग ने कहा कि वे टीम में विदेशी खिलाड़ियों को सही उदाहरण पेश करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, बहुत से युवा भारतीय खिलाड़ी विदेशी खिलाड़ियों को आदर्श मानते हैं, इसलिए अगर वे सही दिशा में चलते हैं, तो पूरी टीम बेहतर बनती है। मैं चाहता हूं कि हमारे विदेशी खिलाड़ी नेतृत्व करें और उदाहरण स्थापित करें।

पंजाब किंग्स अपना आईपीएल सीजन 18 का पहला मुकाबला 25 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद वे लखनऊ सुपर जायंट्स से भिड़ेंगी। टीम फिर अपने घरेलू मैदान न्यू पीसीए स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़ लौटेगी, जहां वे राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ दो महत्वपूर्ण मैच खेलेंगी। आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स किस हद तक सफल होगी, यह देखना रोमांचक होगा, लेकिन रिकी पोंटिंग के नेतृत्व में टीम का आत्मविश्वास और रणनीतिक तैयारी निश्चित रूप से उन्हें एक मजबूत दावेदार बना रही है।

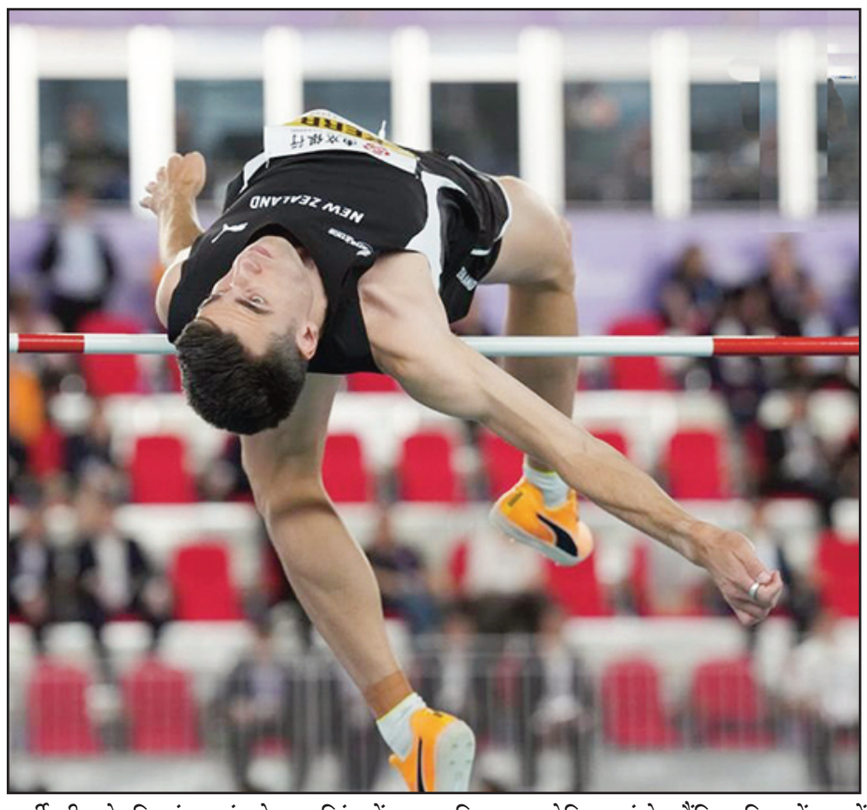

पूर्वी चीन के जियांग्सू प्रांत के नानजिंग में 2025 विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप में पुरुषों की ऊंची कूद के फाइनल के दौरान प्रतिस्पर्धा करते न्यूजीलैंड के हैमिश केर।

मियामी अमेरिका में रॉक स्टेडियम में मियामी ओपन के चौथे दिन एम्मा नवारो के खिलाफ फोरहैंड मारती हुई।

ड्रीम स्पोर्ट्स चैंपियनशिप : युवा टेबल टेनिस खिलाड़ियों को दबाव झेलने की मिल रही ट्रेनिंग

चेन्नई, (हि.स.)। ड्रीम स्पोर्ट्स फाउंडेशन (ऊ्रऋ) द्वारा आयोजित ड्रीम स्पोर्ट्स चैंपियनशिप (ऊ्रउ) अंडर-15 टेबल टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल से पहले जर्मनी के टेबल टेनिस कोच क्रिस पाइफर ने इस आयोजन की सराहना की। शरथ कमल अकादमी से जुड़े पाइफर ने कहा कि यह टूर्नामेंट भारत में टेबल टेनिस की नई पीढ़ी को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में आयोजित इस पांच दिवसीय प्रतियोगिता में युवा खिलाड़ियों को एक पेशेवर माहौल में खुद को परखने का शानदार अवसर मिला।

टूर्नामेंट के दौरान छह कैमरों की हाई-टेक सेटअप के साथ लाइव स्ट्रीमिंग की सुविधा दी गई, जिससे खिलाड़ी प्रतिस्पर्धी माहौल में खेलने के लिए मानसिक रूप से तैयार हो रहे हैं। पाइफर ने कहा, यह एक बेहतरीन पहल है। लाइव स्ट्रीमिंग और प्रोफेशनल सेटअप के कारण युवा खिलाड़ियों को दबाव झेलने की ट्रेनिंग मिल रही है। हमें ऐसे और भी प्रयासों की जरूरत है।

पाइफर इस टूर्नामेंट में ऊ्रऋके ड्रीम अगेन प्रोग्राम के तहत अभिभावकों, कोचों और खिलाड़ियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण सत्र आयोजित कर रहे हैं। उन्होंने इस पहल को भारतीय टेबल टेनिस इकोसिस्टम के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, टेबल टेनिस एक व्यक्तिगत खेल है, जिसमें कौशल के साथ-साथ वर्षों की मेहनत लगती है। माता-पिता को धैर्य रखना जरूरी है ताकि वे अपने बच्चों का सही मार्गदर्शन कर सकें। एक मजबूत माहौल ही खिलाड़ी के विकास में मदद करता है।

अभिभावकों और कोचों ने भी इस पहल की प्रशंसा की। 13 वर्षीय प्रतीक तुलसानी, जो अंडर-13 श्रेणी में भारत के नंबर 1 खिलाड़ी हैं, की मां ने कहा, मेरे बेटे ने यहां बहुत कुछ सीखा है। हमें ऐसे और टूर्नामेंट चाहिए।

प्रतीक के कोच राजेंद्र सावंत ने कहा, अभिभावक अक्सर कोचिंग में होने वाले प्रयासों को नहीं देख पाते। ये सत्र खिलाड़ियों को महत्वपूर्ण सीख देते हैं। मैंने भी कई नई तकनीकें सीखी हैं, खासकर मल्टी-बॉल ट्रेनिंग और कलाई की मूवमेंट सुधारने की। उन्होंने कहा कि इस टूर्नामेंट ने न केवल युवा खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रतिस्पर्धा का अनुभव दिया, बल्कि अभिभावकों और कोचों को भी नई शिक्षा और समझ दी।

सचिवालय डेंजर्स और वॉरियर्स ने दर्ज की जीत

देहरादून, (हि.स.)। सचिवालय चैंपियंस ट्राफी 2025 के तहत शनिवार को महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज क्रिकेट मैदान में खेले गए दो मुकाबलों में सचिवालय डेंजर्स और सचिवालय वॉरियर्स ने जीत दर्ज की।

पहला मैच महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज के क्रिकेट ग्राउंड में सचिवालय डेंजर्स और सचिवालय सुपर किंग्स के बीच खेला गया। सचिवालय डेंजर्स ने निर्धारित 18 ओवर में कप्तान मनोज भट्ट के 66 रनों की बदौलत 165 रनों का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करते हुए सचिवालय सुपरकिंग्स की टीम 14 ओवर में 85 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। इस तरह सचिवालय डेंजर्स ने 80 रनों से यह मैच जीता। सचिवालय सुपर किंग्स के अमित तोमर जिन्होंने 33 रन बनाए और एक विकेट भी लिया फाइटर ऑफ द मैच रहे तथा सचिवालय डेंजर्स के शीशपाल चार विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच बने।

सचिवालय सेतु स्टार्स और सचिवालय वॉरियर्स के बीच खेले गये दूसरे मैच में सचिवालय सेतु स्टार ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अंकित कुमार के 45 रनों की बदौलत 104 रन का लक्ष्य रखा। सचिवालय वॉरियर्स ने दीपक शर्मा के 26 रनों की बदौलत 15वें ओवर में 05 विकेट खोकर जीत हासिल की। सचिवालय सेतु स्टार के अंकित कुमार जिन्होंने 45 रन बनाए तथा तीन विकेट भी प्राप्त किए 'फाइटर ऑफ द मैच' रहे तथा सचिवालय वॉरियर्स के दीपक शर्मा जिन्होंने 26 रन बनाए तथा 5 विकेट लिए 'मैन ऑफ द मैच' रहे।

कांग्रेस ने की पटियाला में कर्नल से पुलिस मारपीट की घटना की न्यायिक जांच की मांग

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस ने पंजाब में सेना के कर्नल पुष्पेंद्र सिंह बाठ और उनके पुत्र के साथ मारपीट करने की घटना की न्यायिक जांच की मांग की है। इसके साथ ही पटियाला के एसएसपी नानक सिंह को वहां से हटाने और उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। पार्टी ने इस घटना के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार को दोषी ठहराया है। एआईसीसी सचिव एवं पंजाब के सह प्रभारी आलोक शर्मा और एआईसीसी के भूतपूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के चेयरमैन कर्नल रोहित चौधरी ने आज यहां कांग्रेस मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में इस घटना के लिए पुलिस और पंजाब सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम को शर्मनाक करार देते हुए कहा कि यह सबकुछ उस सीमावर्ती राज्य पंजाब में हुआ, जहां सेना और पुलिस के बीच अत्यंत तालमेल होना चाहिए। पंजाब में 35 प्रतिशत जवान किसान परिवारों से आते हैं। जहां देश में 'जय जवान, जय किसान' का नारा बुलंद किया जाता है, वहीं पंजाब की भगवंत मान सरकार अब 'मारो जवान को, मारो किसान को' पर उतर आई है।

उन्होंने कहा कि पटियाला में सेना के सेवारत कर्नल और उनके बेटे के साथ पंजाब पुलिस के कर्मियों द्वारा 13-14 मार्च की रात बर्बरता से मारपीट की गई। ये बहुत ही गंभीर मामला है। इस घटना में कर्नल का हाथ टूट गया, लेकिन 4 दिन तक एफआईआर नहीं की गई। पीड़ित कर्नल घटना वाली रात 1 बजे अस्पताल पहुंचे लेकिन सुबह 6 बजे उनका इलाज किया गया। इस केस में 4 दिन तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई। कल राज्यपाल के हस्तक्षेप से पीड़ित परिवार को सुरक्षा देने की बात की गई, लेकिन सुरक्षा किससे? पंजाब पुलिस के वर्दी वाले गुंडों से! आज हालात ये हैं कि एक फौजी पंजाब में अपने आप को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि एसएसपी नानक सिंह आरोपितों को बचाने का काम कर रहे हैं। ऐसे में इन्हें भी एफआईआर में नामजद करना चाहिए। इस घटना में पहले कहा गया कि कर्नल नशे में थे लेकिन रिपोर्ट में कुछ नहीं निकला। फिर पीड़ित परिवार पर केस खत्म करने का दबाव डाला गया। इसके 8 दिन बाद परिवार को सुरक्षा दी जा रही है।

उन्होंने बताया कि पुलिस कह रही है कि कर्नल पुष्पेंद्र ने 14 मार्च को जो स्टेटमेंट दिया था, उसके आधार पर हम 21 मार्च को एफआईआर दर्ज कर रहे हैं। कल मीडिया में खबर आई कि 12 पुलिस वालों को सस्पेंड कर दिया। ऐसे में हमारे सवाल हैं कि एफआईआर में 12 पुलिसवालों का नाम शामिल क्यों नहीं है? पीड़ित परिवार को एफआईआर की कॉपी क्यों नहीं दी जा रही? आखिर में अब इस मामले में एसआईटी गठन का ड्रामा किया गया है, यानि आरोपित पुलिसवालों की जांच पुलिस करेगी? इस घटनाक्रम के विरोध में आज पूरे पंजाब में धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। कर्नल रोहित चौधरी ने सरकार से मांग की कि इस घटना की रिटायर्ड जज से न्यायिक जांच कराई जाए, जिसमें सेना के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल किए जाएं। एसएसपी नानक सिंह पर नामजद एफआईआर दर्ज की जाए। चीफ आफ आर्मी स्टाफ से मांग की कि वो राष्ट्रपति से मिलकर इस तरह के हमले रुकवाएं। प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति से मांग की केंद्र और राज्यों में तुरंत प्रभाव से एक एक्ससर्विसमेन कमीशन बनाया जाए, जिसके पास न्यायिक अधिकार हों। रक्षा मंत्री और गृह मंत्री से मांग की कि देशभर में सर्विंग या सेवानिवृत्त फौजियों के परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

दिल्ली नेवा प्लेटफॉर्म से जुड़ने वाला 28वां राज्य बना , पेपरलेस होगी विधानसभा

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा ने डिजिटल गवर्नेंस की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए केंद्र सरकार के संसदीय कार्य मंत्रालय और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के साथ नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन (नेवा) के क्रियान्वयन के लिए शनिवार को त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता उपस्थित रहे। इस समझौते के साथ दिल्ली नेवा परियोजना को लागू करने के लिए मंत्रालय के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने वाला 28वां राज्य बन गया है, जो विधायी कार्यप्रणाली में एक नए युग की शुरूआत को दशार्ता है।

इस समझौते पर संसदीय कार्य मंत्रालय के अपर सचिव डॉ. सत्य प्रकाश, मिशन लीडर (नेवा) दिल्ली विधानसभा के सचिव रंजीत सिंह और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार प्रधान सचिव (कानून) रितेश सिंह ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्रालय के सचिव उमंग नरूला भी उपस्थित रहे। यह समझौता दिल्ली विधानसभा की पेपरलेस और अधिक पारदर्शी विधायी प्रणाली की ओर बढ़ने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है, जो एक राष्ट्र, एक एप्लिकेशन की प्रधानमंत्री की परिकल्पना के अनुरूप है। नेवा प्लेटफॉर्म संसदीय कार्य मंत्रालय के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है, जो विधायी कार्यों को डिजिटलीकरण, वास्तविक समय में दस्तावेजों की उपलब्धता और सदस्यों व सचिवालय के बीच सुगम समन्वय स्थापित करके अधिक कुशल, सुलभ और सतत बनाने का लक्ष्य रखता है। इस प्रणाली को अपनाने से दिल्ली विधानसभा कागज की खपत में भारी कमी, कार्यप्रवाह को सरल बनाने और विधायक सदस्यों को डिजिटल संसाधनों से सशक्त करने में सक्षम होगी। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्रालय के सचिव उमंग नरूला ने दिल्ली विधानसभा की इस पहल की सराहना की और नेवा के सुचारू कार्यान्वयन, प्रशिक्षण और सभी संबंधित पक्षों की सफल ऑनबोर्डिंग में मंत्रालय के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

हत्या के मामले में दो नाबालिग पकड़े गए

नई दिल्ली, (हि.स.)। द्वारका जिला पुलिस ने बिंदापुर इलाके में चार माह पूर्व हुए झगड़े का बदला लेने के लिए एक नाबालिग ने पहले ऑनलाइन शॉपिंग साइट अमेजन से चाकू मंगवाया फिर अपने नाबालिग दोस्त के साथ एक युवक की चाकू घोपकर हत्या कर दी। घटना में मृतक का साथी भी चाकू लगने से घायल हो गया था। पुलिस ने दोनों नाबालिगों को बीती देर रात धर दबोचा है। उनके कब्जे से निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया है।

द्वारका जिले के डीसीपी अंकित सिंह ने शनिवार को बताया कि बिंदापुर इलाके में बीती देर रात प्रताप गार्डन में चाकूबाजी की सूचना पुलिस को मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो पता चला राजू नामक युवक तथा उसके दोस्त पर चाकू से हमला किया गया था। राजू की अस्पताल ले जाने से पहले ही मौत हो गई थी जबकि उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया था।

इस संबंध में बिंदापुर थाने में हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। द्वारका जिले की एंटी बर्गलरी सेल की टीम ने ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। टीम ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। इसमें वारदात के बाद हमलावर भागते नजर आए। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस टीम ने 1 घंटे के भीतर आरोपित नाबालिग को डाबड़ी के एकता मार्केट से दबोच लिया। उसकी निशानदेही पर चाणक्य पैलेस इलाके से दूसरे नाबालिग को भी पकड़ लिया गया। दोनों की निशानदेही पर कूड़ेदान में छिपाया गया चाकू बरामद कर लिया गया। घटना के संबंध में पूछताछ करने पर नाबालिग ने बताया कि उसकी मृतक राजू के साथ करीब चार माह पहले कहासुनी हो गई थी। इसके बाद उसने बदला लेने का मन बना लिया था। इसके लिए नाबालिग ने ऑनलाइन चाकू मंगवाया और अपने नाबालिग साथी के साथ वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस ने शातिर बदमाश को दबोचा

नई दिल्ली, (हि.स.)। उत्तरी जिले की सदर बाजार थाना पुलिस ने 83 आपराधिक मामलों में शामिल एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। इसकी पहचान अर्जुन उर्फ चिमटा बादल उर्फ चेंजर उर्फ सुदामा (35) के रूप में हुई है। सदर बाजार इलाके में इसने एक युवक का महंगा मोबाइल झपट लिया था। पुलिस ने उसे रंगे हाथों पकड़ा।

पुलिस ने उसके कब्जे से झपटा हुआ मोबाइल फोन बरामद किया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपित दिसंबर 2024 में ही जेल से बाहर आया है। नशे की लत को पूरा करने के लिए उसने दोबारा अपराध शुरू कर दिया।

उत्तरी जिले के डीसीपी राजा बांठिया ने शनिवार को बताया कि 19 मार्च की रात को उनकी टीम ग्रीन मार्केट, सदर बाजार में पेट्रोलिंग पर थी। इस बीच उन्होंने चोर-चोर का शोर सुना। जांच में पता चला कि एक युवक दूसरे व्यक्ति का मोबाइल फोन छीनकर भाग रहा है। उसे दबोच लिया गया। उसके पास से झपटा हुआ मोबाइल फोन बरामद कर लिया गया। पूछताछ के दौरान पता चला कि पकड़ा गया आरोपित 83 मामलों में शामिल है।

कांग्रेस मुख्यालय, नई दिल्ली में संवाददाताओं को संबोधित करते कर्नल रोहित चौधरी (सेवानिवृत), अध्यक्ष, भूतपूर्व सैनिक और पार्टी के पंजाब सह प्रभारी आलोक शर्मा।

Page-08_Layout 1 3/22/2025 11:24 PM Page 1

एक दिवसीय आपदा प्रबंधन जांच समिति की कार्यशाला का हुआ आयोजन

धर्मेन्द्र श्रीवास्तव/दिव्य भारत

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की दैवीय आपदा प्रबंधन जांच समिति की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन तुलसी सदन (हादीहाल) में बड़ी ही धूमधाम से किया गया। दीप प्रज्जवलन कर कार्यशाला का शुभारम्भ किया गया। कार्यशाला में समिति के सभापति एमएलसी इंजी0 अवनीश कुमार सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आपदा पीड़ितों के लिए विशेष योजनाएं बनाई हैं। अग्निकांड में घर जलने की स्थिति में पीड़ित का नाम मुख्यमंत्री आवास योजना में प्राथमिकता से जोड़ा जाएगा।

उन्होंने आपदा मित्रों, ग्राम प्रधान एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से संवाद भी किया और कहा कि आपदाएं बिना सूचना के आती हैं, लेकिन जागरूकता से इनसे बचा जा सकता है। जानकारी के अभाव में जनता योजनाओं का लाभ नहीं ले पाती थी, इसलिए इस तरह की कार्यशाला जरूरी है। इस कार्यशाला से गांव स्तर तक के लोगों को जागरूक करना है। इससे अग्निकांड, बाढ़ जैसी आपदाओं से बचाव किया जा सकेगा। आपदा आने पर तुरंत रेस्क्यू कर जान-माल की रक्षा की जा सकेगी। समिति के सदस्य एमएलसी उमेश द्विवेदी ने बाढ़ की समस्या से बचाव व सरकार की मदद के मारे में बताया। समिति के सदस्य डॉ. केपी श्रीवास्तव ने कहा कि इस तरह की कार्यशाला पहली बार देख रहा हूँ, मन प्रसन्न हो गया। प्रयागराज में पहले कभी ऐसी कार्यशाला नहीं हुई। अपर

जिलाधिकारी आदित्य प्रजापति ने समिति का स्वागत किया। जिला आपदा विशेषज्ञ अनुपम शेखर तिवारी ने सरकार द्वारा घोषित आपदाओं के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में आयुष, स्वास्थ्य, आपदा मित्रों, कृषि विभाग एवं फायरब्रिगेड द्वारा प्रदर्शनी भी लगाई गई। जीजीआईसी की छात्राओं ने स्वागत गीत व रंगोली बनाई। तुलसीसदन में लगायी गयी प्रदर्शनी का दैवीय आपदा प्रबन्धन समिति द्वारा अवलोकन भी किया गया। कार्यशाला में महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा आपदा जोखिम न्यूनीकरण में भूमिका विषय पर प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षक महेश मिश्र में आपदा व आपदा के प्रकार की जानकारी दी। डॉ. ज्ञानेंद्र मौर्य ने सर्प दंश, आपदा मित्र रवि प्रकाश सिंह ने आकाशीय बिजली के जोखिम व बचाव, रत्नेश शर्मा ने आपदा में मिलने वाली सहायता, अग्निशमन अधिकारी अतुल त्रिपाठी ने आग से बचाव के तरीके बताये। जबकि डॉ. राकेश कुमार चौरसिया ने सीपीआर की जानकारी दी। आपदा से जुड़ी जानकारी व आपदा पीड़ित को मिलने वाले लाभों की बुकलेट बांटी गई। मानधाता के ग्राम पंचायत जमुआ की प्रधान ममता सिंह ने बकुलाही नदी से सटे गांवों में पेयजल की समस्या को रखा। लक्ष्मणपुर ब्लॉक के दौलतपुर की समूह की सदस्य संगीता मिश्रा ने नीलगाय व आवारा मवेशियों की समस्या को रखा। इस कार्यशाला में 170 स्वयं सहायता समूह, 170 ग्राम प्रधान, 100 शिक्षक सहित आपदा मित्र सम्मिलित हुये। इस दौरान एमएलसी अंगद कुमार सिंह, सदर विधायक राजेन्द्र कुमार मौर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, एसडीएम सदर शैलेंद्र वर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक ओमकार राणा, बीएसए भूपेंद्र सिंह, तहसीलदार सदर सुप्रिया चतुर्वेदी, सीएमओ डॉ. ए.एन. प्रसाद, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा ओपी त्रिपाठी, विश्वनाथगंज विधायक के प्रतिनिधि रॉबिन पटेल, प्रधान संघ अध्यक्ष मानधाता राजेन्द्र प्रताप सिंह सहित राकेश सिंह, अभिमन्यु सिंह, विश्वजीत प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे। संचालन राम प्रकाश पांडेय ने किया।

कानपुर में भारतीय शिक्षण मंडल एवं संस्कार भारती कानपुर द्वारा रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई।

दुनिया का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है उत्तर प्रदेश : योगी

दिव्य भारत संवाददाता

- **संत कबीर और रविदास के नाम पर नए टेक्सटाइल और लेदर पार्क होंगे स्थापित**
- **उत्तर प्रदेश देश की नंबर दो की अर्थव्यवस्था**

लखनऊ। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी 'पीएम मित्र योजना' के तहत लखनऊ-हरदोई सीमा पर 1,000 एकड़ में प्रस्तावित मेगा टेक्सटाइल एवं अपैरल पार्क की स्थापना के लिए शनिवार को लखनऊ में एक भव्य इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश वस्त्र परिधान नीति 2017 के अंतर्गत राज्य के वस्त्र उद्योग में निवेश करने वाले 80 निवेशकों को 210 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि वितरित की। साथ ही, पीएम मित्र पार्क के लिए 700 करोड़ रुपये के दो एमओयू साइन किए गए। सीएम योगी ने इस अवसर पर कहा कि यह पार्क उत्तर प्रदेश को टेक्सटाइल हब के रूप में स्थापित करेगा और 50,000 से अधिक नए रोजगार सृजित करेगा।

सीएम योगी ने निवेशको को उत्तर प्रदेश की ताकत का अहसास कराते हुए कहा कि 25 करोड़ की आबादी वाला यह राज्य देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है। उन्होंने कहा कि न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि नेपाल, भूटान, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड की बड़ी आबादी अपनी आवश्यकताओं के लिए यूपी पर निर्भर है। जीवन की तीन मूलभूत आवश्यकताओं में वस्त्र एक है। सीएम योगी ने बताया कि पीएम मित्र पार्क एक ही स्थान पर बुनाई, रंगाई, छपाई, डिजाइनिंग और पैकेजिंग की सुविधा देगा, जो मार्केट की डिमांड को पूरा करने में मदद करेगा। उन्होंने निवेशकों को आश्वस्त किया कि यह पार्क टेक्सटाइल उद्योग की अनंत संभावनाओं को साकार करेगा।

सीएम योगी ने घोषणा की कि पीएम मित्र पार्क के अलावा राज्य सरकार 10 नए टेक्सटाइल पार्क संत कबीर दास के नाम पर स्थापित करेगी। साथ ही, दो नए लेदर पार्क संत रविदास के नाम पर विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ये पार्क पीएम मित्र पार्क के एक्सटेंशन सेंटर के रूप में काम करेंगे और टेक्सटाइल व लेदर उद्योग को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। सीएम योगी ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी की मंशानुरूप पीएम मित्र पार्क को 5एफमॉडल (फॉर्म टू फाइबर, फाइबर टू फैक्ट्री, फैक्ट्री टू फैशन, फैशन टू फॉरेन) के आधार पर विकसित किया जाएगा, जिससे उत्पादन से लेकर निर्यात तक की पूरी प्रक्रिया एक ही स्थान पर हो सके। सीएम योगी ने निवेशकों से उत्तर प्रदेश की आर्थिक प्रगति पर गर्व जताते हुए कहा कि आज यूपी देश की नंबर दो की अर्थव्यवस्था है। 2029 तक हम इसे वन ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाएंगे। उन्होंने कहा कि वस्त्र उत्पादन में उत्तर प्रदेश 13% योगदान के साथ देश में तीसरे स्थान पर है और 20 लाख से अधिक लोगों को रोजगार दे रहा है। रायबरेली में एनआईएफटी, कानपुर में टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट और वाराणसी में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ अपैरल टेक्नोलॉजी जैसे संस्थान इस क्षेत्र को मजबूती दे रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि अरविंद मिल, टीटी ग्रुप, गणेशा इकोस्फीयर, भारत ओवरसीज और नाइन जैसी कंपनियां यूपी में कार्य कर रही हैं। सीएम योगी ने निवेशकों को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम मित्र पार्क और नए टेक्सटाइल व लेदर पार्क उत्तर प्रदेश को टेक्सटाइल और अपैरल के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। मैं आप सभी निवेशकों का एक बार फिर स्वागत करता हूं और विश्वास करता हूं कि आप पीएम मोदी के इस विजन को जमीनी धरातल पर उतारने में योगदान देंगे। इस इन्वेस्टर्स मीट ने उत्तर प्रदेश को टेक्सटाइल हब बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम साबित होगा। इस दौरान कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, रोहित कंसल (अपर सचिव वस्त्र उद्योग, भारत सरकार), प्रमुख सचिव हथकरघा एवं वस्त्र उद्योग अनिल कुमार सागर, सीआईआई की अध्यक्ष डॉ. उपासना अरोड़ा के अलावा कई उद्यमी व गणमान्य मौजूद रहे।

तालाब में डाला गया जहर या किसी अन्य कारण से मारी मछलियां

धर्मेन्द्र श्रीवास्तव

प्रतापगढ़। पट्टे पर लिए गए सरकारी तालाब में अचानक मछलियों के मरने से पट्टाधारक काफी परेशान है। वह समझ नहीं पा रहा है कि किस कारण से उसकी मछलियां मर जा रही हैं,उसे यह भी लगता है कि गांव के ही किसी ने तालाब में कोई जहरीली चीज छोड़ दी है जिसके कारण सारी मछलियां मर जा रही हैं।

दरअसल भूपियामऊ एरिया के कुसुमी गांव के रहने वाले रविन्द्र लाल पटेल द्वारा कई वर्षों से पट्टे पर जमीन लेकर तालाब में मछली पालन का काम किया जा रहा है। रविन्द्र लाल पटेल के द्वारा देहात कोतवाली में दिए गए तहरीर में आरोप लगाया है कि तालाब में बीते 18/19 मार्च की देर रात पड़ोसी दुर्गामणि राय द्वारा तालाब में जहर डाल दिया गया है। जिसके कारण तालाब में मछलियां मर जा रही हैं और अब तक तकरीबन दो लाख रुपए की मछलियां तालाब में मर चुकी हैं।

इन लोगों पर आरोप लगाने का कारण यह भी बताया गया कि इन लोगों के द्वारा अक्सर तालाब को लेकर विवाद किया जाता है। एडीएम के यहां भी तालाब को लेकर मुकदमा हार जाने के कारण इन लोगों ने तालाब में जहर डाल दिया होगा। वहीं देहात पुलिस द्वारा तहरीर लेकर जांच में जुट गई है।

आठ वर्ष में उत्तर प्रदेश में साढ़े सात लाख से अधिक सरकारी नौकरियां प्रदान की गई

आशीष पाण्डेय/दिव्य भारत

- **8 वर्षों में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने 48 हजार से ज्यादा अभ्यर्थियों का किया चयन**
- **उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से 46 हजार अभ्यर्थियों का हुआ चयन**
- **विगत 4 वर्ष में मिशन रोजगार के तत 35 कार्यक्रम कर सीएम योगी ने किया नियुक्ति पत्र का वितरण**
- **भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और त्वरित बनाने के लिए की गई ई-अधियाचन पोर्टल की शुरूआत**

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के 8 साल के कार्यकाल में मिशन रोजगार ने नई ऊंचाइयां छुई हैं। इस दौरान मिशन रोजगार के माध्यम से प्रदेश में साढ़े 7 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं। इस अभियान में कार्मिक विभाग ने भी अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाते हुए युवाओं के लिए रोजगार के द्वार खोले हैं। इसके अंतर्गत उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग और उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से पिछले 8 वर्षों में करीब 95,000 अभ्यर्थियों का चयन किया गया, जो सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। योगी सरकार के इन प्रयासों ने न केवल रोजगार सृजन को गति दी, बल्कि उत्तर प्रदेश को युवा-केंद्रित विकास के पथ पर अग्रसर किया। मिशन रोजगार के तहत यह उपलब्धि राज्य के भविष्य को सशक्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। कोविड-19 महामारी के दौरान भी योगी सकार ने भर्ती प्रक्रिया को पटरी पर रखा। यूपीपीएससी ने 1 अप्रैल 2017 से 20 मार्च 2025 तक 48,593 अभ्यर्थियों को चुना। सबसे अधिक चयन 2019-20 में 13,893 रहा, जबकि 2024-25 में अब तक 1,918 अभ्यर्थियों का चयन हुआ। इसी तरह, यूपीएसएसएससी ने 46,032 अभ्यर्थियों का चयन किया। इसमें 2022-23 में 11,800 चयन के साथ सर्वाधिक भर्ती दर्ज की गई। वहीं, 2024-25 में अब तक 6,106 युवाओं को अवसर मिल चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवंबर 2020 से नवंबर 2024 तक इन 4 वर्षों में 35 नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रमों के जरिए नवचयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। यही नहीं, भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और त्वरित बनाने के लिए ई-अधियाचन पोर्टल की शुरूआत की गई, जिससे समूह क, ख और ग के पदों पर चयन प्रक्रिया में तेजी आई। साथ ही, पिछले वर्ष जारी दिशा-निर्देशों ने चयन प्रक्रिया को और शुचितापूर्ण बनाया। कोविड जैसे चुनौतीपूर्ण समय में भी योगी सरकार ने भर्ती प्रक्रिया को पटरी पर लाने और उसके बाद रफ्तार देकर युवाओं के भविष्य को सशक्त करने के लिए ठोस कदम उठाए।

दो सालों में शहरी क्षेत्रों में नियमित टीकाकरण में आया 22.6 फीसद का उछाल

दिव्य भारत संवाददाता

- **योगी सरकार के निर्देश पर शहरी क्षेत्र में सप्ताह के सातों दिन हो रहा नियमित टीकाकरण**
- **योगी सरकार की पहल से टीकाकरण में आया उछाल**

लखनऊ। नियमित टीकाकरण को लेकर योगी सरकार नित नए प्रयास कर रही है। इसी क्रम में योगी सरकार ने शहरी क्षेत्रों में नियमित टीकाकरण में तेजी लाने के लिए जनवरी 2023 से सप्ताह के सातों दिन स्वास्थ्य केन्द्रों पर नियमित टीकाकरण की सुविधा शुरू की थी। इसका परिणाम रहा कि इन दो सालों में शहरी क्षेत्र में नियमित टीकाकरण का फीसद 72.4 से बढ़कर 95 फीसद हो गया है।

प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगों आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप शहरी क्षेत्रों में सातों दिन टीकाकरण उद्देश्य समुदाय के हर बच्चे को 12 जानलेवा बीमारियों से बचाव के लिए टीका लगाना था। इस पहल ने पहुँच सम्बन्धी बाधाओं को दूर करके और वंचित आबादी को प्राथमिकता देकर टीकाकरण के गैप को कम किया है। राज्य प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. अजय गुप्ता बताते हैं कि जनवरी 2023 से लेकर फरवरी 2025 तक शहरी क्षेत्रों में लगभग 18 लाख बच्चों का टीकाकरण किया गया है। डॉ. गुप्ता बताते हैं कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) चार एवं पाँच के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों की अपेक्षा शहरी क्षेत्रों में पूर्ण प्रतिरक्षण के कवरेज में अपेक्षाकृत कम वृद्धि परिलक्षित हुई थी। इसी क्रम में शहरी क्षेत्र में टीकाकरण का कवरेज बढ़ाने के लिए शहरी स्वास्थ्य केंद्रों पर नियमित विशेष टीकाकरण अभियान शुरू किया गया है। इस पहल ने टीकाकरण सेवाओं को सप्ताह के सातों दिन उपलब्ध कराकर कामकाजी वर्ग के परिवारों और दैनिक वेतन भोगी लोगों के लिए बच्चों के टीकाकरण की राह आसान कर दी है जिन्हें पहले काम के दौरान टीकाकरण करवाने में संघर्ष करना पड़ता था। शहरी क्षेत्र में नियमति टीकाकरण में गोरखपुर जनपद अव्वल है। शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर छितवापुर की प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. गीतांजलि सिंह बताती हैं कि सातों दिन टीकाकरण की सेवा शुरू होने से बहुत लाभ मिला है। पहले टीकाकरण बुधवार और शनिवार को होता था और एक एरिया में एक माह में सिर्फ एक बार ही सत्र लगने के कारण लाभार्थियों को लम्बा इन्तजार करना पड़ता था। अब सभी दिनों में टीकाकरण होने के कारण अब लाभार्थियों को इंतजार नहीं करना पड़ता और एक यह फायदा भी हुआ है कि रविवार को टीकाकरण होने के कारण कामकाजी अभिभावक को आसानी हो गई है साथ ही प्रसवपूर्व जांचें भी आसान हो गई हैं। इसके अलावा एक बहुत बड़ा चेंज आया है कि लोग अब निजी अस्पतालों के बजाय स्वास्थ्य केंद्र पर टीकाकरण के लिए आने लगे हैं।

कानपुर में भारतीय जनता पार्टी कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के तत्वावधान में एक राष्ट्र, एक चुनाव के संदर्भ में प्रबुद्ध वर्ग की मातृशक्ति की विशेष बैठक का आयोजन किया गया।

सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के अवैध निर्माण मामले में पांच अप्रैल को होगी सुनवाई

संभल, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क के विनिमय क्षेत्र से बिना नक्शा पास कराए मकान बनाने के मामले में सुनवाई की अगली तारीख पांच अप्रैल नियत की गई।

सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के दीपा सराय स्थित मकान के विनिमय क्षेत्र से बिना नक्शा पास कराए निर्माण कराने के मामले में दो सदस्यीय जांच कमेटी को अपनी रिपोर्ट पेश करनी थी, लेकिन अभी नहीं कर सकी है। प्रतिवादी पक्ष ने जिलाधिकारी के न्यायालय में एक प्रार्थना पत्र दायर करते हुए कहा गया कि हमने एक अपील जिलाधिकारी के न्यायालय में योजित की है। इसके निस्तारण तक वर्तमान वाद की कार्रवाई को स्थगित कर दिया जाए।

उप जिलाधिकारी वंदना मिश्रा ने बताया कि सांसद के खिलाफ चल रहे मामले में शनिवार को सुनवाई होनी थी। लेकिन जांच टीम ने अपनी रिपोर्ट अभी नही लगायी है, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई पांच अप्रैल को नियत की गई है।

व्यापारी के घर बमबाजी करने वाले तीन शातिर अपराधी गिरफ्तार, 12 जिन्दा बम बरामद

प्रयागराज, (हि.स.)। कर्नलगंज थाना एवं एसओजी की संयुक्त पुलिस टीम ने व्यापारी के घर पर बमबाजी करने वाले तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने अपराधियों के कब्जे से 12 अवैध देशी जिन्दा बम बरामद किया। तीनों के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेज दिया।

पुलिस उपायुक्त नगर अभिषेक भारती ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में कर्नलगंज थाना क्षेत्र के पुराना कटरा निवासी मोहम्मद अब्दुल्ला, इसी थाना क्षेत्र के फकीरगंज पुराना कटरा निवासी अदनान उर्फ अद्द पुत्र अच्छे और मछली बाजार पुराना कटरा निवासी मंजीत पटेल पुत्र लल्लू पटेल है।

पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर शनिवार को हॉलैंड हॉल के गेट बाउंड्री वाल के पास से कर्नलगंज थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने सभी आरोपितों के कब्जे से कुल 12 अवैध देशी जिन्दा बम बरामद किये हैं। गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर उक्त अभियान में धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की बढ़ोतरी की गयी। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। उल्लेखनीय है कि उक्त अभियुक्तों ने 19 मार्च की रात के समय थाना कर्नलगंज क्षेत्रान्तर्गत कटरा में एक व्यापारी शिवम साहू के घर के पास बम फेंका गया था।